A Daily News Magazine
भोपाल
बुधवार, 04 दिसंबर, 2024

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-95 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्या: म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

'ब्रिक्स' पर डोनाल्ड ट्रंप के ताजा बयानों का निहितार्थ क्या है?

ओंकारेश्वर पांडेय

अमेरिका में अडानी के खिलाफ जारी गंभीर मामलों के बीच डोनाल्ड ट्रंप के हालिया ट्वीट ने मोदी-ट्रंप को दोस्त मानने वाले समर्थकों को हिला दिया है। ब्रिक्स पर ट्रंप के ताजा बयानों का निहितार्थ क्या है। अगर आज ट्रंप का यह रूख है तो शपथ लेने के बाद क्या होगा। क्या इसका अर्थ यह भी है कि आने वाले समय में भारत-अमेरिका संबंधों की नयी पटकथा लिखी जाएगी। आइये इस ताजा घटनाक्रम को नये संदर्भों में एक नयी निगाह से देखते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मैत्री संबंध छुपे नहीं हैं। अमेरिका में उनकी दूसरी जीत पर भारत में उनके समर्थकों ने भी खुशी मनायी। लेकिन ट्रंप के धमकी भरे ताजा ट्वीट ने पूरी दुनिया समेत भारत में भी मोदी समर्थकों को हिला दिया है। ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को चुनौती देने के लिए कड़ी चेतावनी दी है। अपने ट्वीट में ट्रंप ने कहा है कि, ÷ब्रिक्स देश अमेरिका के खिलाफ हैं। हमें इन्हें सबक सिखाना होगा। अगर ब्रिक्स देश अमेरिकी डॉलर की जगह किसी अन्य मुद्रा का उपयोग करेंगे, तो उन्हें 100त्न टैरिफ का सामना करना पड़ेगा और अमेरिकी बाजार से बाहर कर दिया जाएगा।÷

ट्रम्प की चेतावनी साफ है कि ÷ब्रक्रढ्डष्टस् देश डॉलर से दूर जाने और एक नयी करेंसी बनाने की कोशिश करें, और हम इसे देखते रहें, यह अब नहीं होगा। हम इन देशों से यह प्रतिबद्धता चाहते हैं कि वे न तो कोई नई ब्रिक्स मुद्रा बनाएंगे और न ही किसी अन्य मुद्रा को अमेरिकी डॉलर की जगह देंगे।÷

दुनिया की तीन बड़ी ताकतों भारत, चीन और रूस समेत समूचे ब्रिक्स समूह को सीधी चुनौती देने वाली ट्रंप की चेतावनी से साफ है कि अमेरिका अब अपनी आर्थिक ताकत बचाने के लिए आक्रामक नीतियां अपनाएगा। यदि ब्रिक्स देशों ने अमेरिकी डॉलर की जगह कोई नई मुद्रा चलाने की कोशिश की, तो उन्हें अमेरिकी बाजार से हाथ धोना पड़ेगा।

ब्रिक्स समूह की संयुक्त जीडीपी 60 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है। यह बात पिछले ही महीने 18 अक्टूबर को मॉस्को में ब्रिक्स बिजनेस फोरम में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कही थी। सन 2006 में ब्रिक्स का गठन क्षेत्र के देशों के बीच व्यापार और विकास को बढ़ावा देने और इन देशों की अर्थव्यवस्थाओं और वैश्विक सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के साझा हित से ही किया गया था। जिसे ब्राजील, रूस, भारत और चीन की विदेश नीति में भी शामिल किया गया। 2011 में, तीसरे शिखर सम्मेलन के अवसर पर, दक्षिण अफ्रीका समूह का हिस्सा बन गया। इस समूह की ताकत देखते हुए ट्रम्प का यह कड़ा बयान कोई मामूली बात नहीं है। ट्रम्प का रूख यही रहा तो यह न केवल ब्रिक्स के भविष्य पर सवाल खड़े करेगा, बल्कि इन देशों के साथ अमेरिका के रिश्तों को नई दिशा में मोड़ भी सकता है।

इस तनातनी में क्या ब्रिक्स अमेरिका के सामने झुकेगा, या अपनी ताकत दिखाएगा, यह तो वक्त बताएगा। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि भारत कहां खड़ा होगा। सीएमआईई से उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक पिछले 10 सालों में भारत का अमेरिका के साथ कुल व्यापार वित्त वर्ष 2014 में 61.5 अरब डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 92त्न बढ़कर 118.3 अरब डॉलर हो गया है। तो जाहिर है कि भारत का भी रिस्क बड़ा है।

भारत के लिए तो ट्रंप का यह बयान इसलिए भी चिंताजनक है, क्योंकि ब्रिक्स में भारत एक प्रमुख सदस्य है और नरेंद्र मोदी की भूमिका इस मंच पर महत्वपूर्ण रही है। ट्रंप के बयान का निहितार्थ यह है कि वे भारत को भी अमेरिका के प्रतिद्वंद्वी के रूप में देख सकते हैं।

भारत की चिंता केवल ब्रिक्स तक सीमित नहीं है। इसमें गौतम अडानी और उनके समूह से जुड़े कई विवाद, भारतीय अधिकारियों की भूमिका और अंतरराष्ट्रीय जांच एजेंसियों की सक्रियता भी शामिल है। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब अमेरिका में न्यूयॉर्क की अदालत में अडानी समूह के चेयरमैन और उद्योगपति गौतम अडानी समेत सात लोगों पर 265 मिलियन डॉलर (2250 करोड़ रुपये के करीब) की रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के आरोप लगाये गए हैं। ये आरोप हल्के नहीं हैं। हालांकि अडानी समूह ने इन आरोपों को 'बेहद गलत और निराधार' बताया है। कांग्रेस ने इस पूरे मामले को लेकर पीएम मोदी को घेरा है। भारत में सेबी (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड) भी अडानी समूह की जांच कर रहा है। सेबी ने अडानी से स्पष्टीकरण मांगा है कि क्या समूह ने बाजार को प्रभावित करने वाली जानकारी का खुलासा करने के नियमों का उल्लंघन किया है? सेबी ने यह भी पूछा है कि क्या अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड घूसखोरी के आरोपों में अमेरिकी न्याय विभाग की जांच का पर्याप्त जवाब देने में नाकाम रही। सेबी ने केन्या में एयरपोर्ट विस्तार की डील रद्द किए जाने और अमेरिका में केस को लेकर भी जवाब मांगा है। हालांकि, समूह ने अभी जवाब नहीं दिया है। तथ्यों की जांच के बाद सेबी यह तय करेगा कि औपचारिक जांच शुरू करे या नहीं। लेकिन अडानी समूह मुश्किल में है।अडानी मामला आने के पहले से ही अमेरिका में खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश का मामला भी भारत के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। सिख्स फॉर जस्टिस (स्न्नछ्व) के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू पर पंजाब में अलगाववाद को बढ़ावा देने का आरोप है। अमेरिका में इस मुद्दे को लेकर जांच जारी है। निज्जर की कनाडा में हत्या के बाद यह मामला और अधिक संवेदनशील हो गया है। भारत और कनाडा के संबंध पहले से तनावपूर्ण हैं, और अब पन्नू का मामला भारत-अमेरिका संबंधों को भी प्रभावित कर सकता है।

ट्रंप का 'अमेरिका फर्स्ट' दृष्टिकोण और उनका आक्रामक रवैया उनके राष्ट्रपति बनने के बाद और अधिक मुखर हो सकता है। मोदी-ट्रंप दोस्ती के बावजूद, ट्रंप का यह नया रुख भारत के लिए कई जटिलताएं खड़ी कर सकता है। ब्रिक्स पर उनका सख्त बयान, अडानी मामले में अमेरिकी जांच और पन्नू हत्या साजिश जैसे मुद्दे भारत-अमेरिका संबंधों को नई दिशा में मोड़ सकते हैं। भारत को अब अपनी कूटनीति में अधिक संतुलन बनाते हुए आर्थिक और सुरक्षा नीतियों पर विचार करना होगा।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

बचपन में ही पढ़ लिया था
प्रकाश के पूर्ण आंतरिक परावर्तन का नियम
और समझ लिया था-
मृग मरीचिका के भ्रम को

पर मरीचिका जल की ओर
अब भी खिंचा चला जाता हूँ
मृग की भाँति

जब सूखता जा रहा हो
धरती के गर्भ का जल
धरती के वक्ष पर झिलमिलाता पानी
मुझे उम्मीद से भर देता है

उम्मीद का भ्रम
विकास के भ्रम से
कम भयानक है!!

– नरेश जैन

गूगल मैप ने फिर दिखाया 'मौत का रास्ता'

- बरेली में नहर में गिरी तेज रफ्तार कार

बरेली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बरेली में गूगल मैप के कारण और एक सड़क हादसा हुआ। हालांकि, इस बार गनीमत ये रही कि हादसे में किसी की जान नहीं गई। हालांकि, तीन लोगों के घायल होने की सूचना है। घटना बरेली के बड़ा बाईपास के पास हुई, जब कार नहर में जा गिरी। कार में तीन लोग सवार थे, जो हादसे में घायल हो गए। घायलों की पहचान औरैया निवासी दिव्यांशु प्रताप और उनके दो दोस्तों के रूप में हुई है। तीनों पीलीभीत जा रहे थे।दिव्यांशु ने बताया कि वे गूगल मैप का इस्तेमाल कर बरेली के बड़ा बाईपास पहुंचे। वहां से मैप ने पीलीभीत के दो रास्ते दिखाए जिसमें एक रास्ता हाईवे होते हुए और दूसरा शॉर्टकट रास्ता गांव होते हुए था। ऐसे में उन्होंने शॉर्टकट रास्ते से जाने का निर्णय लिया और आगे बढ़ने लगे।

पांच किलोमीटर आगे जाने के बाद उन्होंने पाया कि कलापुर नहर वाले रास्ते का किनारा कटा हुआ था। कटा हुआ रास्ता देखकर उन्होंने सतर्कता बरती, लेकिन पहिए के नीचे से मिट्टी खिसकी और कार नहर में गिर गई। घटना के संबंध में एसपी सिटी मानुष पारिक ने बताया कि हादसे में तीनों युवकों को हल्की चोट आई है। उन्होंने कहा कि वे गूगल मैप से रास्ता देखकर जा रहे थे। हालांकि, उन्होंने पुलिस को फोन नहीं दिखाया है जिससे उनकी बातें संदेहास्पद लग रही हैं। उनकी कार क्रेन से बाहर निकलवा दी गई है। गौरतलब है कि बीते 10 दिनों में ये इस तरह की दूसरी घटना है।

तारीख पर तारीख के दिन अब हो गए खत्म

चंडीगढ़ में मोदी बोले-आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई और मजबूत होगी

पीएम मोदी ने कहा-भ्रष्टाचार में कार्रवाई की कानूनी अड़चन भी दूर होगी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को चंडीगढ़ के पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज में 3 नए कानूनों को लागू करने की समीक्षा की। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह भी उनके साथ रहे। यहां उन्होंने चंडीगढ़ में लागू किए गए कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का डेमो भी देखा। पहले गृह मंत्री अमित शाह ने संबोधन में कहा कि नए कानूनों के बाद हमें अंग्रेजों के जमाने के गुलाम क्रिमिनल सिस्टम से छुटकारा मिल गया है। अब तारीख पर तारीख का खेल खत्म हो गया है।

लोगों ने सोचा, अंग्रेज चले गए तो उनके कानूनों से मुक्ति मिलेगी

पीएम मोदी ने कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ देश में 1857 में विद्रोह शुरू हुआ था। उसके बाद 1860 में अंग्रेजों ने आईपीसी बनाई। इन कानूनों का मकसद भारतीय को दंड देना, उन्हें गुलाम बनाना था। कई लोगों के बलिदान के बाद 1947 में देश को आजादी मिली। जब आजादी की सुबह आई तो कैसे-कैसे सपने थे, लोगों में कितना उत्साह था। लोगों ने सोचा था कि अंग्रेज चले गए हैं तो अंग्रेजों के कानूनों से भी मुक्ति मिलेगी। यह कानून अंग्रेजों के शोषण करने का जरिया थे, जिनसे वह भारत में अपनी सत्ता मजबूत करना चाहते थे। अभी भी हम उसी दंड संहिता के इर्द-गिर्द घूमते रहे।

गरीब-मजदूर अब कोर्ट-कचहरी से नहीं डरेंगे

पीएम ने कहा कि गरीब व कमजोर लोग कानून के नाम से डरते थे। पहले वह लोग कोर्ट-कचहरी में कदम रखने से डरते थे, लेकिन अब भारतीय न्याय संहिता लोगों की इस मानसिकता को बदलने का काम करेगी। यही सच्चा सामाजिक न्याय है। जिसका भरोसा हमारे संविधान में दिलाया है। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, हर पीड़ित के प्रति संवेदनशीलता से परिपूर्ण है। देश के नागरिकों को इसकी बारीकियों का पता चलना भी उतना ही जरूरी है। पीएम ने कहा कि इन नए कानूनों से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई भी मजबूत होगी। नए कानून से देश की प्रगति मिलेगी। कानूनी अड़चनों से भ्रष्टाचार को लगाम लगाने में जो दिक्कत आती थी, वह दूर होगी। पहले विदेशी निवेशक इसलिए भारत नहीं आते थे कि कई कोई मुकदमा दर्ज हुआ तो सालों निकल जाएंगे। पीएम ने कहा कि कुछ कानून जब बनते हैं तो बहुत चर्चा होती है, जैसे आर्टिकल 370, तीन तलाक पर चर्चा हुई।

चार दिन बाद ठाणे से मुंबई पहुंचे सीएम शिंदे

- शिवसेना विधायकों से की मीटिंग,, फडणवीस व अजीत पवार से भी मिले

मुंबई/नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कार्यकारी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ठाणे से मुंबई स्थित अपने सरकारी आवास वर्षा बंगले पर पहुंच गए हैं। वे शुक्रवार को ठाणे गए थे, अब 4 दिन बाद वापस लौटे हैं। ठाणे में उन्होंने अस्पताल में अपना रुटीन चेकअप कराया, इसके बाद जब उनसे पूछा गया कि तबीयत कैसी है, तो उन्होंने कहा- सेहत अच्छी है। सूत्रों के मुताबिक शिंदे के साथ महायुति के नेताओं

की मुलाकात हो सकती है। शिवसेना विधायकों के साथ भी मीटिंग होनी है। ये मीटिंग देर शाम या रात में होगी और इसमें सरकार गठन पर अहम फैसले होंगे। भाजपा विधायक दल की बैठक कल यानी 4 नवंबर को होगी। इसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ऑब्जर्वर के तौर पर शामिल होंगे। ये दोनों नेता भी आज ही मुंबई पहुंचेंगे। महाराष्ट्र चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को आए थे। महायुति यानी भाजपा-शिवसेना शिंदे-एनसीपी पवार को 230 सीटों का भारी बहुमत मिला, लेकिन 10 दिन बाद भी मुख्यमंत्री का नाम तय नहीं हो पाया है।

बदल रहा है 'मौसम', अबकी कम दिन चलेगी शीतलहर

गुलमर्ग में हुई बर्फबारी, हवा की रफ्तार बढ़ने से दिल्ली में प्रदूषण घटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस बार की सर्दियों में शीतलहर वाले दिन यानी कोल्डवेव डेज कम होंगे। दिसंबर से लेकर जनवरी-फरवरी तक देश के कई हिस्सों में तापमान भी सामान्य रहेगा। मौसम विभाग ने सोमवार को ठंड को लेकर पूर्वानुमान जारी किया है। विभाग के मुताबिक राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, उत्तराखंड, झारखंड, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गुजरात में अगले तीन महीने के दौरान कोल्ड वेव डेज 2 से 6 दिन कम हो सकते हैं। वहीं, दिसंबर में पहाड़ी राज्यों को छोड़कर बाकी जगह कोल्ड वेव डेज की संभावना बेहद कम है। नॉर्थ वेस्ट, नॉर्थ ईस्ट में बारिश भी कम होगी। इस बीच दिल्ली-एनसीआर में

प्रदूषण अभी भी खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। यहां मंगलवार सुबह 9 बजे तक एक्यूआई 308 रिकॉर्ड किया गया। इधर, जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग और सोनमर्ग में सोमवार रात बर्फबारी हुई। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ जिलों में पारा 10 डिग्री तक पहुंच गया। दक्षिण भारत के 3 राज्य कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल में फेंगल तूफान के कारण भारी बारिश हो रही है।

रातापानी सैंक्चुअरी टाइगर रिजर्व क्षेत्र घोषित, सही मायनों में मध्यप्रदेश बना टाइगर स्टेट : मुख्यमंत्री

हमारे प्रस्ताव को प्रधानमंत्री मोदी ने दी स्वीकृति, म.प्र. की साख बढ़ेगी

भोपाल(नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि रातापानी सैंक्चुअरी टाइगर रिजर्व बफर एरिया घोषित होने से मध्यप्रदेश अब वास्तविक रूप में टाइगर स्टेट बन गया है। मध्यप्रदेश के लिये यह बहुत बड़ी सौगात है। केन्द्र सरकार के अनुमोदन के बाद रातापानी, मध्यप्रदेश का 8वां टाइगर रिजर्व क्षेत्र घोषित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को

- प्रदेश का आठवां टाइगर रिजर्व क्षेत्र बना रातापानी

धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने वन्य जीवों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए मध्यप्रदेश को हमेशा प्राथमिकता दी है, जिसके परिणामस्वरूप श्योपुर के कूनो में चीते और उसके बाद रातापानी को टाइगर बफर क्षेत्र का अनुमोदन मिला है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रातापानी सैंक्चुअरी टाइगर रिजर्व बफर जोन की विशेष बात यह है कि यह देश का एकमात्र ऐसा टाइगर रिजर्व है जो राजधानी (भोपाल) के बेहद नजदीक है। इससे यह माना जा सकता है कि राजधानी इस अभयारण्य का हिस्सा है। इस अभयारण्य के दायरे में रायसेन, भोपाल और सीहोर जिले का क्षेत्र भी आएगा। यहां लगभग 90 से

ज्यादा बाघ और अन्य वन्य जीव भी हैं। उन्होंने कहा कि रातापानी को टाइगर रिजर्व घोषित करने से पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा। टाइगर रिजर्व का संपूर्ण कोर क्षेत्र रातापानी अभयारण्य की सीमा के भीतर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्रामीणों के वर्तमान अधिकार में कोई परिवर्तन नहीं होगा बल्कि स्थानीय ग्रामीणों को पर्यटन से रोजगार के नये अवसर मिलेंगे और उन्हें आर्थिक रूप से लाभ भी मिलेगा। मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा टाइगर भी हैं और टाइगर पार्क भी हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रातापानी टाइगर रिजर्व घोषित होने से राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण, केंद्र सरकार एवं राज्य द्वारा आवंटित बजट से वन्य-प्राणियों का और बेहतर ढंग से प्रबंधन किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इससे रातापानी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी तथा राजधानी भोपाल की पहचान टाईगर कैपिटल के रूप में होगी।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 18 °c
न्यूनतम 13°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 04 दिसंबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

नेपाल में जिनपिंग के मंसूबों को पूरा करने के लिए तैयार ओली

बीजिंग (एजेंसी)। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली अपनी चार दिवसीय चीन यात्रा पर हैं। मंगलवार 3 दिसम्बर को उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मुलाकात की। इस यात्रा के दौरान ओली का जिनपिंग के साथ आपसी हित के विभिन्न मुद्दों पर बातचीत करने का कार्यक्रम है। चीन परस्त ओली बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत चीनी वित्तपोषित परियोजनाओं के लिए एक नया ढांचा चाहते हैं। जुलाई में पद संभालने वाले ओली की किसी पड़ोसी देश की पहली यात्रा है, जिसका उनके देश में ही विरोध हो रहा है। पारंपरिक रूप से नेपाल के नेता प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पहला दौरा भारत का करते रहे हैं। साल 2017 में चीन के साथ एक समझौते के तहत नेपाल शी जिनपिंग के महत्वाकांक्षी बीआरआई प्रोजेक्ट का हिस्सा बना था। हालांकि, अभी तक देश में भी परियोजना पर काम शुरू नहीं हुआ है। नेपाल की प्रमुख राजनीतिक पार्टियों के बीच चीन के साथ बीआरआई प्रोजेक्ट को लेकर मतभेद है। इसके साथ ही भू-राजनीतिक और चीनी कर्ज जाल संबंधी चिंताओं के चलते भी इसकी प्रगति बाधित हुई है। बीआरआई का उद्देश्य विकासशील देशों को बेहतर परिवहन और डिजिटल कनेक्टिविटी बनाने में मदद करना है। हालांकि, इसके बहाने चीन की योजना देशों को चीनी कर्ज के बोझ तले दबाने की है। ओली की बीजिंग यात्रा के दौरान बीआरआई परियोजनाओं को लागू करने की दिशा में प्रगति दिखाने और वादा किए गए चीनी विकास अनुदानों को जारी करने पर दांव बहुत ज्यादा है। बुधवार को चीनी राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान उनके बीआरआई सहयोग ढांचे का समर्थन करने का आग्रह करने की उम्मीद है। दरअसल नेपाल चीन के कर्जजाल से बचने की कोशिश कर रहा है। ष्ठद्व ने नेपाली विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया कि बीआरआई प्रोजेक्ट की फंडिंग के लिए नेपाल की प्राथमिकता कर्ज की तुलना में चीनी अनुदान हासिल करने की है। हालांकि, सॉफ्ट लोन और संयुक्त उद्यम जैसे दूसरे विकल्प खुले हैं। बीआरआई प्रोजेक्ट में चीन के ऊंची ब्याज वाले कर्ज को लेकर नेपाल की चिंताएं भी हैं। चीनी ब्याज विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक जैसे संस्थानों की तुलना में 4 फीसदी से भी ज्यादा है। नेपाली विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा ने बीते सप्ताह चीन का दौरा किया था। लौटने पर उन्होंने पत्रकारों से कहा, %मैंने चीनी पक्ष को कर्ज के माध्यम से बीआरआई प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने में सक्षम नहीं होने की हमारी परिस्थितियों से अवगत कराया है। हम पहले से ही उच्च सार्वजनिक कर्जों के कारण दबाव का सामना कर रहे हैं। हम चीन के अनुदानों को लेकर आशान्वित हैं। नेपाल के सार्वजनिक ऋ्रण प्रबंधन कार्यालय के अनुसार, देश का कुल राष्ट्रीय कर्ज उसके सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 44त्न है, जो वर्तमान में 42 अरब डॉलर होने का अनुमान है, जिससे नेपाल दक्षिण एशिया के सबसे गरीब देशों में से एक बन गया है। नेपाल पर लगभग 10 बिलियन डॉलर का विदेशी ऋ्रण बकाया है। अधिकांश विश्व बैंक जैसे बहुपक्षीय दाताओं का है। इसमें चीन का हिस्सा लगभग 4त्न है। ऐसे में अगर बीआरआई के लिए कर्ज लेता है तो नेपाल पर दबाव बढ़ेगा।

बीआरआई को लेकर सता रहा डर, क्या बीजिंग में बन पाएगी बात

संक्षिप्त समाचार

त्रिपुरा में बांग्लादेशियों को नहीं मिलेगा रहना और खाना

- होटल और रेस्टोरेंट ने बायकॉट किया

अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा के होटल और रेस्टोरेंट संचालकों ने बांग्लादेशी यात्रियों को अपने यहां खाना और कमरा न देने का फैसला लिया है। ऑल त्रिपुरा होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा के चलते सोमवार को इमरजेंसी मीटिंग में यह फैसला लिया। कंपनी के जनरल सेक्रेटरी सैकत बंदोपाध्याय ने कहा– बांग्लादेश

में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहा है। पहले भी ऐसी घटनाएं होती थी पर अब सीमा पार हो चुकी है। हम बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे व्यवहार की आलोचना करते हैं। अस्पताल पहले ही इलाज से मना कर चुके त्रिपुरा और कोलकाता के अस्पताल भी बांग्लादेशियों का इलाज करने से मना कर चुके हैं। त्रिपुरा के अस्पताल ने शनिवार को बांग्लादेशियों का इलाज करने से इनकार कर दिया था। कोलकाता के सिलीगुड़ी में डॉक्टर शेखर बंदोपाध्याय ने अपने प्राइवेट क्लिनिक में तिरंगा लगाकर मैसेज लिखा था।

बांग्लादेश में चिन्मय प्रभु के वकील पर हमला, हालत गंभीर

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में देशद्रोह के आरोप में जेल में बंद धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास प्रभु के केस की पैरवी करने वाले वकील पर हमला हुआ है। यह दावा कोलकाता में इस्कॉन के प्रवक्ता राधारमण दास ने किया है। राधारमण दास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में रमन रॉय की तस्वीर के साथ कहा– चिन्मय दास के वकील रमन रॉय पर क्रूर हमला हुआ है। वे आईसीयू में जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनकी एकमात्र गलती यह थी कि उन्होंने कोर्ट में चिन्मय प्रभु का बचाव किया। कट्टरपंथियों ने

उनके घर में तोड़फोड़ की और उन पर बेरहमी से हमला किया। बांग्लादेश में इस्कॉन के एक प्रमुख पूर्व नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को पिछले महीने रंगपुर में हिंदू समुदाय के समर्थन में विरोध प्रदर्शन के बाद ढाका में गिरफ्तार किया गया था। उन पर देशद्रोह का आरोप लगाया गया है। 26 नवंबर को ढाका की एक अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। चिन्मय दास की जमानत पर सुनवाई 2 जनवरी तक के लिए टाल दी गई है। द डेली स्टार के मुताबिक यूनुस सरकार ने कोर्ट से समय मांगा जिसके बाद सुनवाई आगे बढ़ा दी गई। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कानूनी मदद न मिलने की वजह से चिन्मय दास की सुनवाई आगे बढ़ाई गई है। चिन्मय दास की पैरवी करने के लिए कोई वकील तैयार नहीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गैस त्रासदी के दिवंगतों को दी श्रद्धांजलि

40 साल पहले की वो काली रात, मैं भी भोपाल में मौजूद था, बताया– अगले दिन का भयावह मंजर

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल गैस त्रासदी की 40वीं बरसी पर दिवंगतों को भावभीनी श्रद्धांजलि दीं। उन्होंने कहा कि दुनिया की इस भीषण त्रासदी के दिन मैं भोपाल प्रवास पर ही था। इसकी तकलीफ सिर्फ वो ही समझ सकता है, जिसने इसे वास्तविक रूप से भोगा है। उन्होंने कहा कि मैंने स्वयं जाकर गैस प्रभावित क्षेत्रों में भ्रमण किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गैस त्रासदी में प्रभावितों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए भगवान श्री महाकाल से प्रार्थना की।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भोपाल गैस त्रासदी में चार दशक पहले मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम ने कहा कि हादसे की रात वह भी भोपाल में थे और अगले दिन हादसे की भयावहता को देखा भी था।

भोपाल गैस त्रादसी की 40वीं बरसी के मौके पर मुख्यमंत्री मोहन

यादव ने मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि हमारे इस तरह के प्रयास हैं कि आगे ऐसी दुर्घटना दोबारा न घटे। जिस स्थान पर यह हादसा हुआ था, उस स्थान को लेकर भी सरकार गंभीर और ठोस पहल कर रही है।

सीएम ने बताया घटना की रात वे कहां थे– मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि वे खुद इस पूरे घटनाक्रम के गवाह रहे हैं। उन्होंने इस हादसे की भयावहता को भी देखा है। हादसे का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा कि इस हादसे को हुए 40 साल हो गए हैं, जिस रात को यह हादसा हुआ था, उस समय मैं राजधानी के एमएलए रेस्ट हाउस में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की बैठक में हिस्सा लेने आया था। इस बैठक में परिषद के कई पदाधिकारी आए थे और वे एमएलए रेस्ट हाउस में ही ठहरे थे। हादसे के अगले दिन उस स्थान पर भी गए थे, जहां गैस रिसाव का प्रभाव आया था। यह ऐसी त्रासदी थी जो जीवन में कभी पहले देखी ही नहीं थी, जैसी भोपाल और दुनिया ने यह त्रासदी देखी थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना में अनेक लोग असमय काल के ग्रास में समा गए, जो बचे वो किसी न किसी रूप से एमआईसी गैस के दुष्प्रभावों से कई साल पीड़ित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ईश्वर से दिवंगत एवं पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदनाएं एवं सहानुभूति व्यक्त की।

अबकी 'महिला संवाद यात्रा' से बिहार जीतेंगे नीतिश

पटना (एजेंसी)। बिहार में अगले साल विधानसभा चुनाव के पहले मुख्यमंत्री नीतिश कुमार एक बार फिर से यात्रा पर निकलने जा रहे हैं। सीएम नीतिश कुमार की यात्रा 15 दिसंबर से शुरू हो रही है। नीतिश कुमार के इस अभियान को 'महिला संवाद यात्रा' का नाम दिया गया है। जिस तरह से हाल के दिनों में मध्य प्रदेश, झारखंड और महाराष्ट्र में सरकार की सत्ता में वापसी हुई, उसमें महिलाओं की बड़ी भूमिका रही। ऐसे में अब सभी दल और गठबंधन की ओर से महिलाओं पर फोकस किया जा रहा है। मध्य प्रदेश में तत्कालीन शिवराज सिंह चौहान ने महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री लाड़की बहना योजना के तहत हर महीने 1250 रुपये बैंक खाते में ट्रांसफर करने का फैसला लिया। जिसका फायदा चुनाव में बीजेपी को मिला और सत्ता में बीजेपी की जोरदार वापसी हुई। इसी तरह से अभी हाल में संपन्न महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव में भी महिलाओं के लिए शुरू की गई योजना का लाभ सत्तारूढ़ गठबंधन को मिला।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ म.प्र. में प्रदर्शन

राजगढ़ में 100 फीट ऊंचाई पर भगवा ध्वज फहराया ; रायसेन में हनुमान चालीसा पाठ

भोपाल (नप्र)। बांग्लादेश में संत और हिंदूओं पर हो रहे हमलों के विरोध में आज (मंगलवार) मध्यप्रदेश के जिलों में प्रदर्शन किया जा रहा है। रायसेन और सीहोर में बाजार बंद रखे गए हैं। रायसेन में हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। बैतूल के मुलताई में हिंदू संगठन ने बाइक रैली निकालकर दुकानें बंद करवाई। राजगढ़ में विधायक अमर सिंह यादव ने 100 फीट ऊंचा ध्वज फहराया। रतलाम में जनाक्रोश रैली में बड़ी संख्या में अभिभाषक भी शामिल हुए। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के विरोध में पूरे मध्यप्रदेश में प्रदर्शन हो रहा है।

ग्वालियर में हिंदू संगठनों का प्रदर्शन– ग्वालियर के फूलबाग मैदान पर सकल हिंदू समाज और हिंदू समाज के विभिन्न संगठनों ने बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या, मंदिर में तोड़फोड़ व महिलाओं पर अत्याचार के विरोध में विशाल धरना प्रदर्शन किया।

अशोकनगर में हिंदू समाज की रैली, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन– बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में अशोकनगर में भी हिंदू समाज ने रैली निकाली। सुभाषगंज में एसडीएम शुभ्रता त्रिपाठी को राष्ट्रपति के नाम पर ज्ञापन सौंपा गया। रैली में संत भी शामिल हुए।

रीवा में साइबर ठगी करने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

झारखंड–बिहार बॉर्डर से ऑपरेट कर रहे थे नेटवर्क

रीवा (नप्र)। रीवा में लोन देने के नाम पर महिला चिकित्सा से 12 लाख की ऑनलाइन ठगी के मामले में पुलिस ने चार आरोपी किए गिरफ्तार हैं। जानकारी के मुताबिक करीब दस माह पहले एक महिला चिकित्सा से 12 लाख रुपए का साइबर फ्रॉड करने वाला गिरोह पुलिस के हाथों लगा है। जिसने फेसबुक के माध्यम से महिला को लोन देने का लालच दे कर उससे ठगी की थी।

थाने में शिकायत के बाद पुलिस ने एक टीम बनाकर आरोपियों की तलाश शुरू की। जिनका लोकेशन बिहार और झारखंड बोर्डर में मिला। जहां से पुलिस की टीम ने चार बदमाशो को दबोच लिया।इन दिनों जिले में लगातार साईबर फ्रॉड के मामले बढ़ रहे है। जहां लोग लालच में पड़ कर अपनी जीवन भर की कमाई अंजान ठगो को सौंप देते हैं। जब तक ठगी होने का एहसास होता है। तब तक ये साइबर ठग लापता हो जाते हैं। ऑनलाइन ठगी का एक मामला फिर सामने आया है। जिसमें एक महिला डॉक्टर ठगी का शिकार हो गई है।

एसपी रीवा ने बताया कि विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र की एक महिला डॉक्टर को लोन की आवश्यकता थी। इस दौरान फेसबुक चलाते हुए उन्हें लोन का ऑफर दिखा। जिसकी लिंक ओपन करने के बाद उन्हें फोन के माध्यम से फीस व अन्य दस्तावेज समिट करने की बात कही गई। इस दौरान साइबर ठगो ने 12 लाख रुपए महिला डॉक्टर से ऐंठ लिए।

आर्मी कैंप से लापता लैशराम को ढूंढ़ रहे 2000 जवान

मणिपुर के लीमाखोंग से 9 दिन से हैं गायब ट्रैकर डॉग-ड्रोन भी सर्चिंग में जुटे

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के लीमाखोंग कैंप से 25 नवंबर को लापता हुए 56 साल के लैशराम को सेना और पुलिस के 2000 जवान मिलकर खोज रहे हैं। मणिपुर पुलिस सोमवार को किए फेसबुक पोस्ट में बताया कि लैशराम का पता लगाने के लिए मणिपुर पुलिस हेलीकॉप्टरों, ड्रोन और सेना के ट्रैकर कुत्तों की मदद ले रही है। इसके लिए टेक्नोलॉजी का सहारा भी लिया जा रहा है। लैशराम कमलबाबू के लापता होने पर सेकमाई पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। इसके बाद 30 नवंबर को सीएम बीरेन सिंह ने कहा था कि लापता शख्स सेना के अधिकारियों के लिए फर्नीचर बनाता था। वह सेना के कैंपस से गायब हुआ इसलिए सेना को ही उसे खोजने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। इनर

मणिपुर से कांग्रेस सांसद ए. बिमोल अकोईजाम ने भी मंगलवार को कहा, आर्मी कैंप से एक व्यक्ति के लापता होने का मामले पर मैंने मीडिया के जरिए अपील की थी। जब भी मुझे मौका मिलेगा मैं इस मुद्दे को उठाऊंगा। कांगपोकपी जिले में बना 57वें माउंटेन डिवीजन लीमाखोंग आर्मी कैंप राजधानी इंफाल से लगभग 16 किमी दूर है और पहाड़ियों से घिरा हुआ है। यह एक कुकी बहुल इलाका है। लैशराम, अपने परिवार के साथ इंफाल पश्चिम के खुखरुल में रहते थे। पिछले साल मई में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद लीमाखोंग के पास रहने वाले मैतेई लोग भाग गए थे, जिनमें अब तक 250 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। असम के कछार में उधारबोंड के गोसाईपुर रहने वाले लैशराम कमलबाबू सिंह, मेसर्स एल बिनोद कंस्ट्रक्शन में सुपरवाइजर के रूप में काम करते थे। लैशराम 25 नवंबर को रोज की तरह लीमाखोंग आर्मी कैंप के अंदर काम कर रहे थे। लेकिन उसके बाद लापता हो गए। 57 माउंटेन डिवीजन के गेट लॉग से पता चला कि वह कैंप में दाखिल हुए थे लेकिन बाहर नहीं निकले। सीसीटीवी फुटेज से यह साबित हुआ कि 25 नवंबर की सुबह करीब 9.15 बजे लैशराम कैंप में दाखिल हुए लेकिन उन्हें बाहर निकलते नहीं देखा गया। आमतौर पर लैशराम शाम 4 बजे तक घर लौट आते थे, लेकिन जब वह रात 8.30 बजे तक नहीं आए और फोन पर भी उनसे संपर्क नहीं हो पाया, तो उनके परिवार ने पुलिस को खबर की। सिंह के लापता होने के बाद विरोध में बनाई गई संयुक्त कार्रवाई समिति ने सैन्य स्टेशन से लगभग 2.5 किमी दूर कांटो सबल में अपना धरना जारी रखा है। यहां सड़क पर बैरिकेडिंग की गई है। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि सिंह को कुकी उग्रवादियों ने किडनैप कर लिया है। लैशराम की पत्नी अकोईजम बेलारानी भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं।

एलएसी पर अभी भी कई इलाकों में जारी है टकराव

जयशंकर बोले-ऐसा समाधान चाहते हैं जो दोनों पक्षों को स्वीकार हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को भारत-चीन सीमा विवाद पर संसद को जानकारी दी। विदेश मंत्री ने सदन में कहा कि भारत और चीन बातचीत और कूटनीति के जरिए सीमा विवाद सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। पूर्वी लद्दाख में पूरी तरह से डिसइंगेजमेंट हो चुका है। हालांकि एलएसी पर अभी भी कई इलाकों में विवाद है। भारत का मकसद ऐसा समाधान निकालना है, जो दोनों देशों को मंजूर हो। उन्होंने कहा, 2020 के बाद से भारत और चीन के रिश्ते सामान्य नहीं हैं। बॉर्डर पर शांति भंग हुई थी। तब से दोनों देशों के रिश्ते ठीक नहीं हैं। हालांकि हाल ही में हुई बातचीत से स्थिति में कुछ सुधार हुआ है। विदेश मंत्री ने बताया कि भारत और चीन के बीच रिश्ते बेहतर करने के लिए मेरी चीनी विदेश मंत्री से बातचीत हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी अपने समकक्ष चीनी नेता से बातचीत की। इसके अलावा सैन्य स्तर पर सीनियर हाईएस्ट मिलिट्री कमांडर्स बैठकें होती हैं।

992 स्पेशल ट्रेनें, हाईटेक गेमिंग जोन और फ्रंट कॉरीडोर

प्रयागराज महाकुंभ में तीर्थयात्रियों के स्वागत के लिए रेलवे तैयार

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ 2025 का आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में होने वाला है। दुनिया भर के करोड़ों श्रद्धालुओं के जुटने की उम्मीद के बीच, भारतीय रेलवे ने आयोजन को सफल और सुगम बनाने के लिए कई अत्याधुनिक व्यवस्थाएं शुरू की हैं।

रेलवे का मुख्य उद्देश्य महाकुंभ के दौरान तीर्थयात्रियों को सुविधाजनक, सुरक्षित और समय पर यात्रा का अनुभव प्रदान करना है। प्रयागराज मंडल का नया कंट्रोल रूम अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। यहां बड़ी स्क्रीन पर स्टेशनों की ट्रेन वेक्टर रीडआउट, सिग्नल इंटरलॉकिंग प्लान, यार्ड डायग्राम और लाइन की

उपलब्धता की जानकारी उपलब्ध रहेगी। आपात स्थिति में डेडिकेटेड फ्रंट कॉरीडोर के कंट्रोल रूम से सीधा संवाद स्थापित करने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, सीसीटीवी के जरिए प्रमुख स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन पर नजर रखी जाएगी। रेलवे ने कुंभ मेले के दौरान 992 विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। इनमें से 300 से ज्यादा ट्रेनें मौनी अमावस्या के विशेष स्नान पर्व के दौरान चलाई जाएंगी। इसके साथ ही 140 गुजरने वाली ट्रेनों को प्रयागराज क्षेत्र में ठहराव दिया गया है, जिससे अधिक से अधिक श्रद्धालु इनका लाभ उठा सकें। इसमें उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे डिवीजन की अहम भूमिका होगी। रेलवे ने इन विशेष ट्रेनों के लिए 174 लंबी रेक तैनात करने की योजना बनाई है। यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए 933 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है।

सार्वजनिक परिवहन को लेकर सीएस ने ली बैठक

ग्रामीण इलाकों में परिवहन व्यवस्था मजबूत करने की तैयारी, जल्द तैयार होंगे नियम - निर्देश

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। इसको लेकर मुख्य सचिव अनुराग जैन ने परिवहन विभाग के अफसरों के साथ बैठक की है। इसमें सार्वजनिक परिवहन के अंतर्गत ग्रामीण परिवहन पर चर्चा की गई है।

मुख्य सचिव ने इसके लिए परिवहन विभाग को जल्द नीति तैयार करने को कहा है, ताकि आने वाले दिनों में इस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ चर्चा कर कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जा सके। मुख्यमंत्री, लोक परिवहन को मजबूत करने के लिए सार्वजनिक परिवहन सेवा प्रारंभ करने की इच्छा जता चुके हैं। इसके बाद इस दिशा में नए सिरे से कवायद शुरू हुई है और मुख्य सचिव जैन ने इसको लेकर नीति बनाने पर फोकस किया है।

प्रदेश में 2005 में सड़क परिवहन निगम बंद होने के बाद से प्रदेश स्तरीय सार्वजनिक परिवहन सेवा नहीं है। स्थानीय स्तर पर नगरीय निकायों द्वारा कंपनी बनाकर कुछ बसों का संचालन किया जाता है। अब सार्वजनिक परिवहन में ग्रामीण इलाकों को परिवहन की बेहतर सुविधा देने के हिसाब से काम किया जाना है। इसके लिए ग्रामीण परिवहन की परिस्थितियों को फोकस कर काम करने को कहा गया है। इस काम में अर्बन निकायों की भी भागीदारी पर चर्चा हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल के दौरान ग्रामीण परिवहन को लेकर नीति बनाए जाने के बाद परिवहन विभाग ने गांवों से बस सेवा शुरू करने की बात कही थी, लेकिन इसे लागू नहीं किया जा सका और ग्रामीण परिवहन व्यवस्था निजी बस ऑपरेटरों की मनमानी की शिकार है। इसे भी ठीक करने पर नए नियमों में विचार किया जाएगा। आज हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव एसएन मिश्रा समेत परिवहन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

भोपाल में अंडमान के स्टूडेंट की एक्सीडेंट में मौत

सलकनपुर मंदिर के दर्शन करने जा रहे छात्रों को डंपर ने मारी टक्कर

भोपाल (नप्र)। सलकनपुर मंदिर के पास सोमवार सुबह 11 बजे बाइक सवार तीन युवकों को रेत से भरे डंपर ने टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई और एक गंभीर घायल हो गया। वहीं, बाइक चला रहे युवक को हल्की चोट आई हैं। उसने तत्काल ही इसकी सूचना पुलिस को दी। जिस पर दोनों युवकों को रेहटी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया। जहां से उन्हें भोपाल रेफर किया।

रास्ते में ही एक युवक ने दम तोड़ दिया। वहीं, दूसरे युवक का हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। मृतक का पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

सोमवार सुबह 11 बजे की घटना- तीनों युवक भोपाल से सोमवार को सलकनपुर मंदिर में दर्शन करने जा रहे थे। इसी दौरान एक रेत से भरे डंपर ने टक्कर मार दी। जिससे बाइक पर पीछे बैठे बी प्रवीण और बसोरी इनवाटी नीचे गिर गए और टायर की चपेट में आ गए। हादसा इतना गंभीर था कि इस घटना में प्रवीण का एक पैर पूरी तरह से अलग हो गया और दूसरा भी टूट गया। वहीं, बसोरी इनवाटी के दोनों पैर कुचल गए। वहीं, बाइक चला रहा धर्मेंद्र बाइक से साथ आगे घिसटते हुए चला गया। लेकिन, उसे कोई चोट नहीं आई है। अस्पताल ले जाने के दौरान प्रवीण ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

बड़े तालाब में डूबा युवक,मौत

महिला मित्र के साथ घूमने गया था,भाई ने जताई आत्महत्या की आशंका

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल के बड़े तालाब स्थित बोट क्लब में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। घटना सोमवार रात 9 बजे की है। युवक के बड़े भाई ने बताया कि वो अपनी दोस्त के साथ बड़े तालाब पर गया था। रात 10 बजे उसकी दोस्त ने कॉल पर घटना की जानकारी दी। भाई ने मौके पर पहुंच कर पुलिस को सूचना दी। रात 10.30 बजे गोताखोर ने युवक का शव तालाब से निकाला और हमीदिया स्थित मॉर्चुरी में भेजा।

बड़े भाई के मुताबिक, घटना के कारणों का पता नहीं लग पाया है। पोस्टमॉर्टम और भाई की दोस्त के बयान से ही कुछ स्पष्ट कहा जा सकता है। आशंका है कि दोनों के बीच विवाद हुआ था। जिस वजह से आत्महत्या का शक है। वहीं, मंगलवार को श्यामला हील्स थाना पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करवाकर युवक का शव का परिजनों को सौंप दिया है।

प्रेम संबंध में था युवक- बड़े भाई योगेश यादव ने बताया कि वंश यादव (19) पिता नर्मदा प्रसाद यादव, निवासी ओल्ड विधानसभा भवन के पास न्यू मार्केट स्थित एक दुकान पर काम करता है। वंश का एक लड़की के साथ प्रेम संबंध है। दोनों के घर वालों को इसकी जानकारी है और कोई भी विरोध नहीं है। दोनों की शादी करवाने की बात भी चल रही है। उसी लड़की के साथ वो बोट क्लब गया था।

राज्यपाल पटेल भोपाल गैस त्रासदी श्रद्धांजलि सभा में हुए शामिल

त्रासदी में दिवंगतों को दी मौन श्रद्धांजलि

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल मंगलवार को भोपाल गैस त्रासदी की 40वीं बरसी पर दिवंगतों की स्मृति में सेंट्रल लाइब्रेरी बरकतउल्ला भवन में आयोजित श्रद्धांजलि एवं सर्वधर्म सभा में शामिल हुए। सभा में दिवंगतों की स्मृति में विभिन्न धर्माचार्यों द्वारा पाठ किया गया।

क्या हुआ था उस रात?- 2-3 दिसंबर, 1984 की रात यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से जहरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनेट का रिसाव हुआ था। इस त्रासदी में हजारों लोग मारे गए और लाखों प्रभावित हुए। यह दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक आपदाओं में से एक मानी जाती है।

शहीद हुए रेल कर्मियों को भी किया याद- गैस त्रासदी में शहीद हुए रेल कर्मियों की स्मृति में भोपाल स्टेशन पर स्थापित शहीद स्मारक पर मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी समेत रेलवे अधिकारी-कर्मचारियों ने गैस त्रासदी में शहीद हुए रेल कर्मियों को श्रद्धांजलि दी।

राज्यपाल श्री पटेल और उपस्थितजनों ने सभा में दिवंगतों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि भी दी। श्रद्धांजलि सभा में जनजातीय कार्य, भोपाल गैस त्रासदी एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, महापौर श्रीमती मालती राय, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, प्रमुख सचिव श्री संदीप यादव सहित अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहें।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में महाकुंभ कॉन्क्लेव 19वां गोलमेज सत्र

महाकुंभ न केवल भारतीय संस्कृति का हिस्सा बल्कि आस्था, विश्वास का संगम : प्रो पाण्डेय

भोपाल (नप्र)। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के भोपाल परिसर में इंडिया थिंक काउंसिल द्वारा महाकुंभ कॉन्क्लेव 19वां गोलमेज सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र का उद्देश्य महाकुंभ के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व को समझना था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. रमाकान्त पाण्डेय (निदेशक भोपाल परिसर) ने की, उन्होंने महाकुंभ के वैदिक काल से लेकर आधुनिक समय तक के महत्व पर चर्चा की। प्रो. पाण्डेय ने कहा, 'महाकुंभ न केवल भारतीय संस्कृति का हिस्सा है, बल्कि यह आस्था, विश्वास और संस्कृति का अद्भुत संगम है।' उन्होंने महाभारत और ऋग्वेद के संदर्भ में महाकुंभ के धार्मिक और सांस्कृतिक पहलुओं को उजागर किया।

ऋषि महर्षियों का अद्भुत संगम है कुंभ-धनंजय चोपड़ा

मुख्य वक्ता धनंजय चोपड़ा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने कुंभ को 'अलौकिक और अद्वितीय' बताया। उन्होंने इसे जन संस्कृति का मेला और ऋषि महर्षियों के अद्भुत संगम के रूप में परिभाषित किया। चौपड़ा ने रामचरित मानस की चौपाई उद्धृत करते हुए महाकुंभ के आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित किया और इसे भारतीय चेतना के प्रसार का प्रतीक बताया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अमिताभ पाण्डेय (आईजीआरएमएस निदेशक) ने महाकुंभ को जीवन संस्कृति का उदाहरण बताते हुए कहा कि कुंभ एक आध्यात्मिक केंद्र है, जहां आस्था और विश्वास का संगम होता है। उन्होंने महाकुंभ में निरंतरता, वैयक्तिक विविधता और सांस्कृतिक चेतना पर विचार करने की आवश्यकता जताई।

'हरित महाकुंभ' की आवश्यकता-प्रोफेसर तिवारी

सत्र के दौरान वरिष्ठ पत्रकार प्रो. हर्षवर्धन त्रिपाठी और प्रो. नीलाभ तिवारी ने भी महाकुंभ के धार्मिक और आध्यात्मिक पहलुओं पर विचार व्यक्त किए। प्रो. तिवारी ने महाकुंभ के पर्यावरणीय पहलुओं पर बल देते हुए 'हरित महाकुंभ' की आवश्यकता पर जोर दिया।

हाईकोर्ट ने युवक को दी 50 पौधे लगाने की सजा,अदालत के खिलाफ की थी अनर्गल टिप्पणी, पत्नी ने की थी शिकायत

जबलपुर (नप्र)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट (जबलपुर) ने राजस्थान के युवक को 50 पौधे लगाने की सजा दी है। यह सजा उसे कोर्ट पर अनर्गल टिप्पणी करने पर सुनाई गई। जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने वन विभाग पौधे उपलब्ध कराने को कहा है।वन विभाग मुरैना के एसडीओ को यह भी निर्देश दिए हैं कि 15 दिन में यह देखा जाए कि युवक ने सजा का कितना पालन किया है। हाईकोर्ट ने युवक को भी चेतावनी दी कि आगे से इस तरह की गलती न करे।

पत्नी से चल रहा भरण-पोषण का केस-राहुल साहू राजस्थान के जयपुर का रहने वाला है। सबलगढ़ (मुरैना, एमपी) में उसकी शादी हुई है। सबलगढ़ प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी अभिषेक कुमार के न्यायालय में उसके खिलाफ भरण-पोषण का मामला विचाराधीन है।7 मई 2024 को पत्नी पूजा ने सबलगढ़ कोर्ट को बताया कि राहुल ने उसके खिलाफ गलत शब्द बोले, इतना ही नहीं कोर्ट पर भी अनर्गल टिप्पणी वाली पोस्ट सोशल मीडिया पर डाली। पूजा ने इस पोस्ट के कुछ सबूत भी कोर्ट में दिए थे। सबलगढ़ कोर्ट ने राहुल को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया, लेकिन आरोपी ने न तो जवाब प्रस्तुत किया और न ही वो खुद कोर्ट में उपस्थित हुआ। इसे कोर्ट ने आपराधिक अवमानना करार दिया। उसके इस रवैये पर आपराधिक अवमानना केस चलाने के लिए हाईकोर्ट को लेटर भेजा गया।सजा सुनाने से पहले जस्टिस ने एडवोकेट से सुझाव मांगा। हाईकोर्ट में मंगलवार को अवमानना केस की सुनवाई हुई।

प्रदेश के 7 जिलों में आज बारिश के आसार

ग्वालियर-चंबल और उज्जैन में रात का पारा लुढ़केगा, इंदौर-जबलपुर में थोड़ी राहत

भोपाल (नप्र)। 'फेंगल' तूफान के असर से मध्यप्रदेश के बैतूल, छिंदवाड़ा समेत 7 जिलों में बारिश के आसार हैं। वहीं, उत्तरी हवाएं आने से ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभाग में रात में तेज ठंड रहेगी जबकि इंदौर, भोपाल और जबलपुर संभाग में ठंड से थोड़ी राहत मिल सकती है। दक्षिणी और पूर्वी हिस्से में रात का टेम्परेचर 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है।

अगले 24 घंटे में बैतूल, डिंडौरी, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पांढुर्णा जिलों में कहीं-कहीं बादल और बारिश की स्थिति बनी रहेगी। इन जगहों पर हवा की रफ्तार भी आम दिनों की तुलना में 3 से 4 किमी प्रतिघंटा तक बढ़ी हुई रहेगी। 4 दिसंबर को भी ऐसा ही मौसम रहेगा। मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव ने बताया, 'चक्रवाती तूफान फेंगल' सक्रिय है। इस वजह से हवा का असर बढ़ा है।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से ठंड बढ़ेगी- मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी भारत के ऊपर एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस भी एक्टिव है। इस वजह से पहाड़ों में बर्फबारी होगी और उत्तरी हवाएं मध्यप्रदेश में तेजी से आएंगी,

जिससे पूरे प्रदेश में दिन-रात में ठंड बढ़ने का अनुमान है। ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभाग में असर ज्यादा देखने को मिल सकता है। पश्चिमी, पूर्वी और दक्षिणी हिस्से में टेम्परेचर बढ़ जाएगा।

इंदौर-उज्जैन में पारा चढ़ा, सर्दी से राहत- इंदौर में पिछले 24 घंटे में दिन के तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस का इजाफा हुआ है। सोमवार को यहां दिन का तापमान 27.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। उज्जैन में भी बीती रात न्यूनतम तापमान में 7 डिग्री सेल्सियस का उछाल आया। पारा 16 डिग्री पर पहुंच गया, जबकि एक दिन पहले रात में 9.8 डिग्री टेम्परेचर रिकॉर्ड किया गया था।

कालीचरण बोले

भारत में भी हो सकती है बांग्लादेश जैसी स्थिति

भोपाल (नप्र)। तीन साल पहले छत्तीसगढ़ के रायपुर की धर्म संसद में महात्मा गांधी के खिलाफ विवादित टिप्पणी कर चर्चा में आए कालीचरण महाराज मंगलवार को भोपाल पहुंचे। वे नीब करौरी बाबा भक्तमंडल के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इससे पहले मीडिया से चर्चा की। कालीचरण महाराज ने बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार को लेकर कहा कि, भारत में भी बांग्लादेश जैसी स्थिति हो सकती है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार पर कहा हिंदुओं को जागृत होना अत्यंत आवश्यक है। हिंदू जातिवाद, वर्ण वाद, जातिवाद, भाषावाद तोड़ते हुए जितना एकीभूत होगा, उतना सुरक्षित होगा। हिंदुओं को वोट बैंक बनना अत्यंत आवश्यक है। हिंदुओं के सामने सुरक्षित रहने का कोई पर्याय नहीं है। बांग्लादेश जैसी स्थिति भारत में होने की पूरी-पूरी संभावना है। उसका डिटेल मैं आपको बाद में बताउंगा। किस प्रकार की कैसी संभावनाएं हैं। किस लिए यहां प्रदर्शन की आवश्यकता है।

प्रयागराज कुंभ में म.प्र.से भेजेंगे 3.50 लाख थाली-थैले

संघ-विहिप के वॉलंटियर अखाड़ों और श्रद्धालुओं के थैले से निकालेंगे पॉलीथिन

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में आरएसएस, विश्व हिन्दू परिषद और पर्यावरण के मुद्दों पर काम करने वाले करीब 40 संगठन थाली-थैला संकलन में जुटे हैं। इन्हें अगले साल 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ में भेजा जाएगा। पॉलिथीन और सिंगल यूज प्लास्टिक को रोकने के लिए कुंभ में आने वाले अखाड़ों और श्रद्धालुओं के थैलों से पॉलिथीन निकालकर उन्हें एक थाली और थैला भेंट करेंगे।

मप्र के तीन प्रांतों मध्य भारत, महाकौशल और मालवा से करीब साढ़े तीन लाख थैले और थाली प्रयागराज भेजे जाएंगे। अभियान से जुड़े आशुतोष भट्?ट ने दैनिक भास्कर को बताया, 45 दिनों तक चलने वाले प्रयागराज महाकुंभ में करीब 40 करोड़ श्रद्धालु शामिल होने का अनुमान है। श्रद्धालुओं की संख्या के हिसाब से देखें तो करीब 600 टन पॉलिथीन कुंभ में इकट्ठी होगी और ये हमारी नदियों और पर्यावरण को प्रदूषित करेगी।

अब तक भेजे जा चुके हैं 40 हजार थैले

मध्यभारत प्रांत में शामिल जिले- मुरैना, श्योपुर, ग्वालियर (डबरा), भिंड (लहार), शिवपुरी (पिछोर), गुना (राघौगढ़), अशोकनगर, विदिशा (बासौदा), रायसेन (भोजपुर), रायसेन (बरेली), नर्मदापुरम (पिपरिया), हरदा, बैतूल (मुल्ताई) (जिले के साथ लिखे कस्बे को भी संघ की संरचना में जिला माना गया है।

मध्यभारत प्रांत से करीब 1 लाख 25 हजार थैले और थाली एकत्रित कर प्रयागराज भेजने का लक्ष्य है। अब तक करीब 40 हजार भेजे जा चुके हैं।

महाकौशल प्रांत में शामिल जिले- निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, दमोह, पन्ना, कटनी, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, उमरिया, डिंडौरी, अनूपपुर, सिवनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा, जबलपुर, नरसिंहपुर।

महाकौशल प्रांत से करीब सवा लाख थैले और थाली भेजने का टारगेट रखा है

मालवा प्रांत में शामिल जिले- नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, आगर-मालवा, उज्जैन, शाजापुर, देवास, इंदौर, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर। मालवा प्रांत से करीब एक लाख थैले और थाली एकत्रित कर प्रयागराज कुंभ में भेजे जाएंगे।

बानगल उपतिस्स ने पौधारोपण कर दिया शांति-भाईचारे का संदेश

महाबोधि सोसाइटी ऑफ श्रीलंका फाउंडेशन के प्रेसिडेंट ने किया सुख शांति भवन का दौरा

भोपाल (नप्र)। 'श्रीलंका से पधारे महाबोधि सोसाइटी ऑफ श्रीलंका फाउंडेशन के प्रेसिडेंट 'बानगल उपतिस्स थ्र' ने सुख शांति भवन में वृक्षारोपण कर दिया विश्व शांति व आपसी भाईचारे का संदेश।

मध्य प्रदेश शासन एवं श्रीलंका महाबोधि सोसाइटी सांची के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित चेतियागिरी विहार सांची के 72वें वार्षिक उत्सव के अवसर पर श्रीलंका से पधारे महाबोधि सोसाइटी ऑफ श्रीलंका फाउंडेशन के प्रेसिडेंट बानगल उपतिस्स थ्रो ने जापान, श्रीलंका और यू.एस.ए से पधारे अतिथियों के साथ ब्रह्माकुमारी सुख शांति भवन भोपाल का दौरा किया।

कार्यक्रम के दौरान, वरिष्ठ राजयोगी भ्राता

रामकुमार ने सभी अतिथियों को भवन का अवलोकन कराया और आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से विचार साझा किए। भवन के शांतिपूर्ण वातावरण की सभी ने सराहना की।

इस दौरान श्रीलंका के प्रसिद्ध लोक गीत गायक एवं लेखक ने गीत गाकर ब्रह्माकुमारीज संस्थान की आत्मीयता और वसुधैव कुटुंबकम की भावना की महिमा का प्रचार किया। सुख शांति भवन की निर्देशिका राजयोगिनी नीता दीदी ने भी अपना अनुभव साझा करते हुए गुरुजी की सरलता, सादगी, निर्मानता और रूहानियत की सराहना की।

बीके डॉ देवयानी द्वारा राजयोग मेडिटेशन की अनुभूति कराई गई, जिसमें सभी ने गहन शांति महसूस की और अपने अनुभव साझा किए।इस अवसर पर बानगल उपतिस्स थ्रो ने वृक्षारोपण कर विश्व शांति और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि भारत की संस्कृति, सभ्यता और यहां के लोगों का व्यवहार उन्हें अत्यधिक आकर्षित करता है। महाबोधि जी ने अपने अनुभव में कहा कि नीता दीदी और ब्रह्माकुमारी बहनों से ऐसा लगता है कि हमसे इनका कोई पूर्व जन्म का संबंध है और उन्होंने आगे भी नियमित रूप से आने का वायदा किया। साथ ही सभी को श्रीलंका आने का निमंत्रण भी दिया।कार्यक्रम का संचालन ब्रह्माकुमारी हेमा बहन द्वारा किया गया।

संपादकीय

ज्यादा बच्चे: परवरिश कैसे होगी?

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने एक बार फिर हिंदुओं से अपील की है कि वो कम से कम दो या तीन बच्चे पैदा करें ताकि देश में जनसंख्या असंतुलन की स्थिति न बने। संघ को लगता है कि हिंदुओं में घटती प्रजनन दर देश जनसंख्या अनुपात को बिगाड़ सकती है और कुछ दशकों बाद हिंदू अल्पसंख्यक हो सकते हैं। उस स्थिति में इस राष्ट्र की हिंदू संस्कृति, इतिहास और परंपरा को बचाने का गंभीर प्रश्न खड़ा होगा। बड़े परिवार की अहमियत पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि अगर समाज की जनसंख्या वृद्धि दर गिरते-गिरते 2.1 प्रतिशत के नीचे चली गई तो तब समाज को किसी को बर्बाद करने की जरूरत नहीं, वह खुद ही नष्ट हो जाएगा। नागपुर में रविवार को 'कठाले कुल सम्मेलन' को संबोधित करते हुए भागवत ने यह बात कही। वैसे तो भागवत यह बात पहले भी कह चुके हैं। संघ नेता जब यह कहते हैं तो उसके मूल में मुसलमान ज्यादा निशाने पर होते हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि उनकी आबादी देश में हिंदुओं की तुलना में ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। इस आशंका में सपा सांसद महबूब अली जैसो के बयान आग में घी डालने का काम करते हैं, कि हमारी संख्या बढ़ रही है। एक दिन हम देश पर कब्जा कर लेंगे। मोहन ने भागवत ने जो कहा कि उसे पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता, लेकिन ज्यादा बच्चे पैदा करने का मुद्दा भावनात्मक से ज्यादा व्यावहारिक है। संघ प्रमुख ज्यादा बच्चे पैदा करने की बात तो कर रहे हैं, लेकिन आज की परिस्थिति में जब एक बच्चे को ठीक से पालना भी पालकों के लिए मुश्किल होता जा रहा है, वैसे में तीन बच्चो को अच्छे ढंग से पालने का जोखिम लेना अपने जानबूझकर मक्खी निगलने जैसा है। उल्लेखनीय है कि देश की जनसंख्या नीति 1998-2002 में तय की गई थी। इसके मुताबिक जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 से नीचे नहीं होनी चाहिए। अगर ऐसा होता है, तो समाज अपने आप नष्ट हो जाएगा। अब कोई इंसान 0.1 पैदा तो नहीं होता। इसलिए यह कम से कम तीन होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र संघ (संरास) के डेटा के मुताबिक भारत की वर्तमान प्रजनन दर 2 के आसपास है। 2019 में ये आंकड़ा 2.12 था, जो धीरे-धीरे घटकर 2023 में 1.975 हो गया है। संरासं की जनसंख्या रिपोर्ट के मुताबिक 2062 में भारत की आबादी 170 करोड़ तक पहुंच जाएगी और ये पीक पर होगी। लेकिन 2062 में जनवरी से जुलाई के बीच जनसंख्या में गिरावट शुरू हो जाएगी। 2063 में देश की आबादी में 1.15 लाख की कमी होगी, जो 2064 में बढ़कर 4.37 लाख और 2065 में 7.93 लाख होगी। वहीं 2054 तक भारत की 20 से 64 साल के लोगों की जनसंख्या बढ़ती जाएगी। सरल शब्दों में कहें तो एक पीढ़ी को अपने बराबर की अगली पीढ़ी तैयार करने के लिए प्रजनन दर 2.1 होना जरूरी है। यानी इसके लिए हर 10 महिलाओं को 21 बच्चों को जन्म देना होगा। साथ ही लिंगानुपात बनाए रखने के लिए जितने लड़के उतनी ही लड़कियों को भी जन्म देना होगा। वैसे भी भारत में जनसंख्या घनत्व लगातार बढ़ रहा है। इसी के साथ पर्यावरण नष्ट होने, प्रदूषण बढ़ने, अपराधों में वृद्धि होने जैसी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। यहां सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि आबादी के मुकाबले अगर संसाधन और आय नहीं बढ़ी तो वह अभिशाप सिद्ध हो सकती है। अगर हमने बीमार, अक्षम, अनपढ़ बच्चों की फौज खड़ी भी कर ली तो जनसंख्या संतुलन भले कायम रहे, लेकिन ऐसी आबादी की उपयोगिता क्या है?

नजरिया

तनवीर जाफ़री

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ईवीएम: हुज़ूर आते आते बहुत देर कर दी

भारत के चुनाव आयोग ने इन्हीं समस्याओं से निजात पाने की ग़रज़ से 1970 के दशक के उत्तरार्ध में इस समस्या का समाधान खोजा जिसके परिणामस्वरूप इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का विकास हुआ। इस प्रणाली को भारत के चुनाव आयोग के लिए राज्य के स्वामित्व वाली इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा विकसित किया गया था। 1990 के दशक के उत्तरार्ध में उन्हें चरणबद्ध तरीक़े से भारतीय चुनावों में पेश किया गया था। भारतीय चुनाव आयोग हमेशा यह दावा करता रहा है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, सिस्टम जाँच, सुरक्षा प्रक्रियाएँ और चुनाव प्रोटोकॉल आदि किसी से भी छेड़छाड़ नहीं की जा सकती।

भारत में ईवीएम अर्थात इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का चलन कोई बहुत पुराना नहीं है। 1990 के दशक तक तो चुनावों के दौरान कागज़ के मतपत्रों अथवा बैलट पेपर का ही उपयोग किया जाता था। चूँकि भारत की गिनती विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में होती है इसलिये यहाँ पर्याप्त मात्रा में कागज़ के मतपत्रों के अतिरिक्त इनकी छपाई, मतपत्र व मत पेटियों के आवागमन(परिवहन), इनके भंडारण और मतपत्रों की गिनती हेतु पर्याप्त संसाधनों की आवश्यकता होती थी। इन बैलेट पेपर्स में धोखाधड़ी वाले मतदान और बूथ कैप्चरिंग की संभावना तो थी ही,साथ ही बूथों पर क़ब्ज़ा करने व उनमें जाली मतपत्र भरने की घटनायें भी सामने आती रहती थीं। इस तरह की अनियमिताओं की शुरुआत हालांकि 1950 के दशक के उत्तरार्ध से ही शुरू हो चुकी थी परन्तु 1950 और 1980 के दशक के बीच यह समस्या निरंतर बढ़ती चली गई। कुछ राज्यों में तो चुनाव,धांधली व बूथ क़ब्ज़ा को लेकर बड़े पैमाने पर हिंसा भी हुआ करती थी। भारत के चुनाव आयोग ने इन्हीं समस्याओं से निजात पाने की ग़रज़ से 1970 के दशक के उत्तरार्ध में इस समस्या का समाधान खोजा जिसके परिणामस्वरूप इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का विकास हुआ। इस प्रणाली को भारत के चुनाव आयोग के लिए राज्य के स्वामित्व वाली इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा विकसित किया गया था। 1990 के दशक के उत्तरार्ध में उन्हें चरणबद्ध तरीक़े से भारतीय चुनावों में पेश किया गया था। भारतीय चुनाव आयोग हमेशा यह दावा करता रहा है कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, सिस्टम जाँच, सुरक्षा प्रक्रियाएँ और चुनाव प्रोटोकॉल आदि किसी से भी छेड़छाड़ नहीं की जा सकती।

परन्तु ईवीएम के प्रचलन में आने के फ़ौरन बाद से ही इसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठने खड़े हो चुके थे। कांग्रेस के शासन काल में शुरू की गयी ई वी एम से मतदान प्रक्रिया का न केवल लाल कृष्ण आडवाणी व सुब्रमण्यम स्वामी जैसे नेता विरोध करते रहे हैं बल्कि स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी स्वयं पहले ईवीएम पर सवाल उठा चुके हैं और इसकी विश्वसनीयता पर संदेह जताते रहे हैं। देश के कई साफ़्ट वेयर विशेषज्ञ भी यह दावा कर चुके हैं कि ईवीएम के साथ छेड़ छाड़ की जा सकती है। देश में विभिन्न सामाजिक संगठन भी ईवीएम के विरोध स्वरूप कई बार आंदोलित हो चुके हैं। परन्तु अभी तक किसी राजनैतिक दल ने ईवीएम से चुनाव कराने के विरोध में जनांदोलन करने की घोषणा नहीं की । यह पहला अवसर है जब कांग्रेस ने आगामी 26 दिसंबर से कर्नाटक के बेलगाम से ईवीएम के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। 26 दिसंबर को बेलगाम में पहले कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक होगी उसके बाद एक विशाल रैली आयोजित की जाएगी। और यहीं से कांग्रेस ईवीएम के विरुद्ध सड़कों पर उतरकर राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करने जा रही है। कांग्रेस के अनुसार जिस तरह लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नफ़रत की राजनीति के ख़िलाफ़ भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी, उसी तर्ज़ पर बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने के समर्थन में व्यापक राष्ट्रीय जन समर्थन जुटाने के लिए राहुल गांधी के नेतृत्व में देशव्यापी भारत जोड़ो यात्रा निकाली जाएगी।

कांग्रेस सहित अनेक विपक्षी दलों के नेता वैसे तो अपने अपने स्तर पर ईवीएम का विरोध करते रहे हैं। परन्तु जब भी चुनावी नतीजे विपक्षी दलों के पक्ष में जाते हैं उस समय ईवीएम का विरोध करने वाले यही दल व नेता अपनी जीत के जश्न में डूबकर यह भूल जाते हैं कि जिस ईवीएम ने उन्हें जीत दिलाई है वह संदिग्ध है? बजाये इसके वही विपक्ष अपनी जीत को सत्ता के विरुद्ध जनता का फ़रमान बताने लगता है। परन्तु पिछले दिनों देश के सर्वोच्च न्यायलय ने एक बार फिर ईवीएम का विरोध करने वाली याचिकाओं को ख़ारिज करते हुये विपक्षी दलों को आईना दिखाया और अपनी टिप्पणी में अदालत ने याचिकाकर्ता से कहा कि ÷इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से राजनीतिक पार्टियों को दिक्क़त नहीं है, आपको क्यों है? ऐसे आइडिया कहां से लाते हो, अदालत ने कहा, चंद्रबाबू नायडू या जगन मोहन रेड्डी जब चुनाव हार जाते हैं, तो ईवीएम से छेड़छाड़ होती है. जब वे जीतते हैं, तो ईवीएम में सब ठीक रहता है?इसी अदालती निर्णय के बाद कांग्रेस ने सड़कों पर उतरकर ईवीएम का विरोध करने का निर्णय लिया है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि जिस तरह प्रत्येक चुनावों के दौरान ईवीएम को लेकर संदेहपूर्ण ख़बरें आती हैं। कहीं से ईवीएम ग़ायब होने का समाचार मिलता है तो कहीं अनिधकृत रूप से ईवीएम पकड़ी जाती हैं। कहीं इन मशीनों का आवागमन संदिग्ध रहता है तो कहीं से यह ख़बर आती है कि मतदाता ने वोट तो किसी अन्य दल को दिया परन्तु वी वी पैट में किसी दूसरे दल का निशान नज़र आया। कई बार यह भी हो चुका है कि पोल सम्बन्धी सभी भविष्यवाणियों यहाँ तक कि राजनैतिक दलों व विशेषज्ञों के सभी आंकलनों को धत्ता बताने वाले हैरत अंगेज़ चुनाव नतीजे सामने आये। तब भी संदेह ईवीएम की कार्यप्रणाली पर ही जाता है। परन्तु अदालत का यह कहना बिल्कुल दुरुस्त है कि यदि 'आप हार जाएं तो ईवीएम ख़राब और जीतें तो सब ठीक' ? उधर कांग्रेस चुनाव आयोग की कार्यशैली व चुनाव प्रक्रिया को संदेह पूर्ण बता रही है। इसलिए कांग्रेस इसको लेकर जनांदोलन के द्वारा जनता के बीच जाएगी और इस मुद्दे पर जनता से संवाद करेगी। वैसे भी एलन मस्क जैसे उद्योगपति भी यह कह चुके हैं कि ईवीएम से छेड़छाड़ की जा सकती है। एलन मस्क ने 150 से अधिक देशों का दौरा किया है और यह पाया कि अधिकांश देशों ने बैलेट पेपर वोटिंग को अपनाया है और यही तर्क दिया कि भारत को भी यही तरीक़ा अपनाना चाहिए।

ईवीएम की कार्यप्रणाली पर संदेह का मामला किसी एक दल की हार या जीत तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह उस भारतीय लोकतंत्र की शुचिता का सवाल है जो दुनिया के समक्ष एक आदर्श चुनाव की मिसाल पेश करने के दावे करता है। साथ ही देश के करोड़ों मतदाताओं को भी इस बात का यक़ीन होना ज़रूरी है कि जिस दल अथवा प्रत्याशी को उसने वोट दिया है वह सही जगह पर पहुंचा भी या नहीं ? इसलिये चुनावी पारदर्शिता की ख़ातिर ईवीएम को लेकर कांग्रेस का जनांदोलन लोकतंत्र को बचाने व जीवित रखने की दिशा में उठाया गया एक क़दम तो ज़रूर है परन्तु यह भी सच है कि कांग्रेस ने इस निर्णय तक आते आते बहुत देर कर दी।

भारतीय नौसेना दिवस आज

योगेश कुमार गोयल

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

निरंतर मजबूत हो रही है भारतीय नौसेना

प्रतिवर्ष 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना के जांबाजों को याद करते हुए 'भारतीय नौसेना दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय नौसेना की शानदार जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है। दरअसल 3 दिसम्बर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने हमारे हवाई और सीमावर्ती क्षेत्र में हमला कर दिया था। दुष्ट पाकिस्तान को उस हमले का मुहतोड़ जवाब देने के लिए पाकिस्तानी नौसेना के कराची स्थित मुख्यालय को निशाने पर लेकर 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' चलाया गया था और भारतीय नौसेना की मिसाइल नाव तथा दो युद्धपोतों के आक्रमणकारी समूह ने कराची के तट पर जहाजों के समूह पर हमला कर दिया था। हमले में पाकिस्तान के कई जहाज और ऑयल टैंकर तबाह कर दिए गए थे।

भारतीय नौसेना का वह हमला इतना आक्रामक था कि कराची बंदरगाह पूरी तरह बर्बाद हो गया था और कराची तेल डिपो पूरे सात दिनों तक धू-धूकर जलता रहा था। तेल टैंकरों में लगी आग की लपटों को 60 किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। उस हमले में कराची हार्बर फ्यूल स्टोरेज तबाह होने के कारण पाकिस्तानी नौसेना की कमर टूट गई थी। भारतीय नौसेना द्वारा किए गए हमले में तीन विद्युत क्लास मिसाइल बोट, दो एंटी-सबमरीन और एक टैंकर शामिल थे और युद्ध में भारतीय नौसेना ने पहली बार जहाज पर मार करने वाली एंटी शिप मिसाइल से हमला किया था। ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध में जीत हासिल करने वाली भारतीय नौसेना की शक्ति और बहादुरी को सलाम करने के लिए 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना दिवस मनाने की शुरूआत हुई। नौसेना दिवस हर साल एक खास थीम के साथ मनाया जाता है और 2024 के नौसेना दिवस का विषय है 'नवाचार और स्वदेशीकरण के माध्यम से शक्ति और शक्ति'।

नौसेना दिवस समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना विशाखापट्टनम स्थित भारतीय नौसेना कमान द्वारा तैयार की जाती है। समारोह की शुरुआत युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित करके की जाती है, उसके बाद नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है। नौसेना के मुंबई स्थित मुख्यालय में इस अवसर पर नौसैनिक अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं और गेटवे ऑफ इंडिया बीटिंग रीट्रिट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। भारतीय नौसेना मुख्य रुप से तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड का कोच्चि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी को संभालती है जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है। केरल स्थित एझिमाला नौसेना अकादमी एशिया की सबसे बड़ी नौसेना अकादमी है। भारत के राष्ट्रपति भारतीय नौसेना के सुप्रीम कमांडर हैं। वॉइस एडमिरल राम दास कटारी 22 अप्रैल 1958 को भारतीय वायुसेना के पहले भारतीय चीफ बने थे। भारतीय नौसेना का नीति वाक्य है 'शं नो वरूण:' अर्थात् जल के देवता वरूण हमारे लिए मंगलकारी रहें।

भारतीय नौसेना का कार्य भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना है और इसके गठन का इतिहास ब्रिटिश काल से जुड़ा है। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारतीय नौसेना की स्थापना वर्ष 1612 में ब्रिटिश व्यापारियों के जहाजों की सुरक्षा के लिए 'ईस्ट इंडिया कम्पनी मरीन' के रूप में की थी। वर्ष 1686 तक ब्रिटिश व्यापार पूरी तरह से बॉम्बे में स्थानांतरित हो जाने के बाद इस दस्ते का नाम 'ईस्ट इंडिया मरीन' से बदलकर 'बॉम्बे मरीन' कर दिया गया, जिसने मराठा, सिंधी युद्ध के साथ-साथ वर्ष 1824 में बर्मा युद्ध में भी हिस्सा लिया था। वर्ष 1892 में इसका नाम 'रॉयल इंडियन नेवी' रखा गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1950 में नौसेना का गठन फिर से किया गया और 26 जनवरी 1950 को भारत के लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के बाद इसका नाम रॉयल इंडियन नेवी से बदलकर इंडियन नेवी (भारतीय नौसेना) कर दिया गया।

भारतीय नौसेना वर्तमान में विशालकाय और एडवांस फीचर से लैस अपने युद्धक पोतों, सबमरीन्स इत्यादि के बलबूते दुनियाभर में चौथे स्थान पर है। मौजूदा समय में भारतीय नौसेना की ताकत पर नजर डालें तो भारतीय नौसेना के बेड़े में दो विशाल विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य तथा आईएनएस विक्रांत के अलावा अनेक अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट, वॉरफेयर शिप, सबबमरीन तथा अन्य सैन्य साजो-सामान हैं, जो इसे दुनिया में चौथी सबसे मजबूत नौसेना बनाते हैं। बहरहाल, यह गर्व की बात है कि हिन्द महासागर में ड्रैगन के कब्जे की रणनीति को नाकाम करने के लिए भारत अपनी समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए लगातार विध्वंसक युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण में लगा है। इसी कड़ी में आईएनस कलवरी, खंडेरी और आईएनएस करंज के बाद स्वदेशी पनडुब्बी आईएनएस वेला को नौसेना में शामिल किया जा चुका है, जो अत्याधुनिक मशीनरी और टैक्नोलॉजी के साथ-साथ घातक हथियारों से भी लैस है। इस सबमरीन को 'साइलेंट किलर' कहा जाता है, जो दुश्मन को उसकी मौत की भनक तक नहीं लगने देती। कुल मिलाकर, भारतीय नौसेना की ताकत दिनों-दिन बढ़ रही है और वर्तमान में इसकी ताकत के आगे पाकिस्तानी नौसैना कहीं नहीं ठहरती तथा चीन की चुनौतियों का भी हमारी नौसेना डटकर मुकाबला कर रही है।

कौन देखता है चलने दो

कटाक्ष

केदार शर्मा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

न जाने कौन सा पल मौत की अमानत हो,हर एक पल की खुशी को गले से लगा के जियो। गमों का दौर भी आए तो मुस्कराकर जियो। 'हमराज' फिल्म के इस गीत के बोल में जीवन का दर्शन छुपा है। परतुं खुशी को तभी गले लगाया जा सकता है जब हर एक पल को ईमानदारी और गंभीरता से लिया गया हो। वह पल खास बन सकता है। अगर 'चलने दो,कौन देखता है' की मानसिकता दिमाग में आ गई तो वही पल गले की फांस भी बन सकता है।

यह मानसिकता तब भी आ जाती है जब सांख्यिकी के आंकड़े मिलाने होते हैं। एक लोकोक्ति है कि सरकार के लिए आंकड़े उतने ही जरूरी हैं जितने भैंस के लिए कांकड़े (पशु आहार)। केवल आंकड़े होना ही पर्याप्त नहीं है,उनका आड़े-सीधे मिलान भी उतना ही जरूरी है।

अब चुनाव को ही लीजिए,मतदान समाप्ति पर महिला-पुरुष मतदाताओं की संख्याो ई.वी.एम. द्वारा दर्शाए जा रहे कुल मतदाताओं के बराबर होने चाहिए। मतदान प्रक्रिया के दौरान चिह्न लगाने में चूक हो गई तो जैसे-तैसे मिलाना ही एक उपाय बचता है कि 'कौन देखता है जी,चलने दो'।

प्रत्येक खेत में कौनसी फसल उगी है इसे राजस्व लेखों में दर्ज करना होता है। अब मान लो पटवारी ने अंदाजन किसी खेत में गेहूँ की फसल दर्ज कर दी, यह सोचकर कि हजारों खेत हैं,'कौन देखता है चलने दो'। उधर किसान सरकारी लेवी के खरीद केन्द्र पर चने की फसल लेकर पहुंचता है,इधर दस्तावेज में अंकित गेहूँ की पोल खुलती नजर आती है,जो अनुमान से लिखने वाले की गले की फांस बन जाती है।

इसी तरह एक जांचकर्ता किसी उत्तर पुस्तिका की गंभीरता से जाँच नहीं करे और सोच ले 'चलने दो,कौन देखता है'। फिर वही छात्र उसी उत्तर पुस्तिका का पुनर्जांच करवा ले तो उसी पल वह जाँचकर्ता के लिए गले की फांस बन जाती है।

पिछले दिनों राजस्थान के झुंझुनू जिले के सरकारी अस्पताल में घटित हुई ऐसी ही एक घटना मीडिया में काफी चर्चित रही। किसी आश्रयदानी संस्था द्वारा वहाँ रह रहे एक मूक-बधिर-विमंदित युवक को इलाज के लिए भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान धरती के भगवान कहे जाने वाले चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वह युवक मोर्चरी के डीप फ्रीजर में दो घंटे बंद रहा। एक चिकित्सक ने बिना चीर-फाड़ के कागजों में काल्पनिक कारण लिखकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट तैयार कर दी।

शायद इसी सोच के साथ कि 'चलने दो कौन देखता है '। वैसे भी अनाथ था। उसे मोक्षधाम में ले जाकर चिता पर रखा गया। उन पलों की पोल तब खुली जब अग्नि प्रज्ज्वलित करने से पहले ही वह हिलने लगा और कराहने लगा। उसे वापस अस्पताल में लाकर आई.सी.यू. यूनिट में भरती कराया गया और पन्द्रह घंटे ही जीवित रहा पर मामला अब उन चिकित्सकों की गले की फांस बन गया है।

न जाने कौन सा पल गले की फांस बन जाए,इसलिए हर एक पल को ईमानदारी से निबाहते चलें। कम से कम ईश्वलर तो हम सबके कर्मो को देख ही रहा है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

अशोक गौतम

लेखक व्यंग्यकार है

साहित्य संस्थापनार्थाय सम्भवामि समै समै

जनता से वादों के बदले वोट ले जनता की सेवा के बदले वे अपनी सेवा में लीन हो गए। जब जनता सेवा के नाम पर अपनी सेाव करते करते तन भर गया तो वे अपने सगे संबंधियों की सेवा की ओर उन्मुख हुए। जब उनके सगे संबंधी भी उनसे अपनी सेवा करवा निहाल हो गए तो उन्होंने अपने यार दोस्तों की मत मन से सेवा की। सारे पदों पर अपने दोस्त बैठा दिए। अपने यार दोस्तों की सेवा भी हो गई तो किसीने उन्हें सलाह दी,' जनाब! अब साहित्य की सेवा कर भी पेट चिपके साहित्यकारों से अपनी जय जयकार करवा ली जाए,' वे रोटी के उतने भूखे न थे जितने अपनी जय जयकार के भूखे थे। इसलिए उन्होंने तत्काल अपने विश्वस्त कम मस्त अफसर को आदेश दिया,' हे मेरे मस्त अफसर! हम साहित्य की सेवा कर साहित्यकारों से अपनी जय जयकार करवाने के इच्छुक हैं।'

' आपका आदेश सिर माथे जनाब!'

'तो इसी वक्त साहित्य के उत्थान के लिए साहित्य उत्थान कमेटी बनाई जाए,' इधर उन्होंने फरमाया तो उधर उनके मस्त कम विश्वस्त अफसर ने अपने नीचे के विश्वासपात्र चार अफसर पकड़े और साहित्य के उत्थान के लिए साहित्यकार घमासान कमेटी बनाने बैठ गए।

तब साहित्यकार घमासान निर्माण कमेटी की अध्यक्षता करते अफसरों के सबसे बड़े अफसर ने अपने नीचे के अफसरों को संबोधित करते कहा,' बंधुओ! आप हर सरकार में कोई भी कमेटी बनाने में सिद्धहस्त हैं। आपके पास रोटी बनाने से पहले कमेटी बनाने का लंबा अनुभव है। कमेटी बनाने के लिए वे मुझ पर विश्वास करते हैं और मैं तुम पर। मुझे एकबार फिर कमेटी बनाने का जिम्मा दे उन्होंने मुझ पर विश्वास किया है। और मैं तुम पर विश्वास कर रहा हूं। हमारे द्वारा पहले बनाई कमेटियां हर बार हिट हुई हैं। मुझे विश्वास ही नहीं, पूरा विश्वास है कि अबके भी हमारी बनाई निष्पक्ष कमेटी पर कोई उंगली न उठेगी। हमें हर बार की तरह अबके फिर जनाबों के जनाब की कसौटी पर खरा उतरना होगा!'

'आपके लिए हम कहीं भी उतर सकते हैं जनाब! नरक में भी,' सबने एक बेसुर में कहा तो वे आगे बोले,' धन्यवाद! मुझे आपसे यही उम्मीद थी। तो मैं सबका हेड हूं। कोई शक?'

'नो शक!' सबने कुर्सी पर खड़े होकर कहा तो वे बोले,' देखो बंधुओ! पहले की तरह साहित्य घमासान कमेटी का अध्यक्ष जनाबों के जनाब का ही होगा। इसलिए इस पद का नाम वे अपनी सम्मति से बाद में तय करेंगे। मंजूर?'

'सर! सिर माथे मंजूर!' सबने करतल ध्वनि करते कहा तो वे बोले,' पीए साहब! नोट करो। साहित्यकार घमासान कमेटी का अध्यक्ष उनका।'

' सर! नोट किया।'

और साहित्य घमासान कमेटी का अध्यक्ष सर्वसम्मति से नियुक्त हो गया।

उसके बाद वे फिर बोले,' तो अब बंधुओ! वरिष्ठता में मैं यहां उपस्थित सब साहबों से बड़ा हूं। अब जनाबों के जनाब की साहित्यकार घमासान कमेटी का अगला मेंबर नियुक्त करने का मेरा नंबर आता है। कोई शक?'

' सर नो शक?' बचे अफसरों ने एक साथ कहा।

'तो कायदे से साहित्य कमेटी का उपाध्यक्ष मेरा। मंजूर?'

'हरबार की तरह इसबार भी दिल की गहराइयों से मंजूर!' और सर्व सम्मति से साहित्यकार घमासान कमेटी के उपाध्यक्ष के पद का चयन भी करतल ध्वनि से सर्वसम्मति से सम्पन्न हो गया।

'पीए साहब नोट करो!'

'जी! नोट कर लिया।'

उसके बाद दूसरे नंबर के अफसर ने कहा,' मित्रो! मैं इस कमेटी के सबसे वरिष्ठ साहब के नीचे का जनाब हूं। इसलिए कायदे से साहित्यकार घमासान कमेटी का सचिव मेरा होगा। मंजूर?'

'मंजूर, उनके नीच के बचे अफसरों ने एकमत कहा और सर्वसम्मति से सचिव पद के उम्मीदवार का नाम भी निर्विरोध तय हो गया।

'पीए साहब नोट करो!'

' जी जनाब, कर लिया।'

अब उनके नीचे के अफसर की बारी थी। सो उन्होंने सिर झुकाए कहा,' हे मेरे अग्रजो और अनुजो! इन दोनों वरिष्ठों के नीचे का अफसर मैं हूँ।'

'हम ये दिमाग से नहीं, दिल से भी मानते हैं सर!' बचे अफसर ने एक सुर में कहा तो वे बोले,' तो साहित्य कमेटी का वरिष्ठ सदस्य मेरा होगा। मंजूर?'

'मंजूर! मंजूर! मंजूर!' शेष बचे अफसर ने अकेले कहा और साहित्कार घमासान कमेटी के वरिष्ठ सदस्य का चयन निर्विरोध सम्पन्न हुआ।

'पीए साहब! नोट करो!'

'जी सर! नोट किया।'

उसके बाद सबसे नीचे के अफसर ने अति दबी आवाज में कहा,' साहबो! मैं मन से स्वीकारता हूं कि मैं सबसे नीचे का अफसर हूं। अब साहित्यकार घमासान कमेटी का कनिष्ठ सदस्य मेरा होगा। मंजूर?'

'माफ कीजिएगा जनाब! साहित्यकारों को लेकर मेरा लंबा अनुभव ये है कि साहित्यकार मुख्यतः दो तरह के होते हैं।'

'मतलब?'

'एक दिखने वाले तो दूसरे लिखने वाले।'

'मतलब?'

'जो साहित्यकार लिखते हैं उन्हें किसीको दिखने की फुर्सत नहीं होती। और जो साहित्यकार दिखते हैं उन्हें कुछ भी लिखने की जरूरत नहीं होती। लिखने वाले साहित्यकारों से दिखने वाले साहित्यकार महान होते हैं, श्रेष्ठ होते हैं सर! असल में जो कहीं भी समय बे समय हमें हमारे आगे पीछे चाटुकारी करते हमको दिखते हैं ,वही हर उत्थान के चूल्हे पर हमारी और अपनी रोटियां सिकते हैं।'

'मतलब डन?'

'सर ! डन डना डन डन!' सबने मेज बजाते एक साथ कहा।

'पीए साहब ! इससे पहले की कहीं और से हम पर प्रेशर आए इसी वक्त साहबों के साहब को फाइनल अप्रूवल के लिए साहित्यकार घमासान कमेटी की फाइल सादर डिस्पैच कर दी जाए।'

' गर्मागर्म चाय समोसा लाओ यार! रिअली बहुत थक गए।

चंपाषष्टी विशेष

अमित राव पवार

लेखक स्तंभकार हैं।

शिव अवतार श्री मार्तंड भैरव

माया मोह से छुटकारा पाने के लिए इस दिन व्रत करने का विशेष महत्व है। चंपाषष्ठी की पूजा में घी,दही,जल और पुष्प का अर्ध्य दिया जाता तथा प्रसाद में बैंगन की सब्जी व बाजरे की रोटी और मीठा व्यंजन बनाया जाता है। यह दिन भगवान शिव के अवतार मार्तंड भैरव एवं दैत्य मणि-मल्ला की कथा से जुड़ा हुआ है।जिन्होंने परमपिता भगवान ब्रम्हादेव को अपनी तपस्या से प्रसन्न कर सर्वशक्ति मान होने का वरदान प्राप्त कर शक्ति का दुरुपयोग करते हुए इन दोनों भाइयों ने धरती के साथ तीनों लोकों में उत्पात मचाने एवं धर्म को नष्ट करने का प्रयास किया। जहां भी हवन,यज्ञ देवों की पूजा होती उन्हें ये नष्ट कर आम नागरिकों के साथ साधु-संतों,पशु को मार देते और कहते कि तुम लोग हम दोनों भाइयो की पूजा करो हम ही है इस धरती पर सब कुछ हमारे सिवा कोई दूसरा भगवान नही है।

हिन्दू धर्म मे हर एक माह का अपना महत्व होता है इसमे भी मार्गशीर्ष माह को विशेष माना गया है। यह अंग्रेजी का 11-12 तथा हिंदी का 9 वाँ माह होता है। जहां एक ओर इस माह में माँ लक्ष्मी की पूजा,अर्चना,पाठ का विधान है वही मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को चंपाषष्ठी या चंपाछठ कहा जाता है। माया मोह से छुटकारा पाने के लिए इस दिन व्रत करने का विशेष महत्व है। चंपाषष्ठी की पूजा में घी,दही,जल और पुष्प का अर्ध्य दिया जाता तथा प्रसाद में बैंगन की सब्जी व बाजरे की रोटी और मीठा व्यंजन बनाया जाता है। यह दिन भगवान शिव के अवतार मार्तंड भैरव एवं दैत्य मणि-मल्ला की कथा से जुड़ा हुआ है।जिन्होंने परमपिता भगवान ब्रम्हादेव को अपनी तपस्या से प्रसन्न कर सर्वशक्ति मान होने का वरदान प्राप्त कर शक्ति का दुरुपयोग करते हुए इन दोनों भाइयों ने धरती के साथ तीनों लोकों में उत्पात मचाने एवं धर्म को नष्ट करने का प्रयास किया। जहां भी हवन,यज्ञ देवो की पूजा होती उन्हें ये नष्ट कर आम नागरिकों के साथ साधु-संतों,पशु को मार देते और कहते कि तुम लोग हम दोनों भाइयो की पूजा करो हम ही है इस धरती पर सब कुछ हमारे सिवा कोई दूसरा भगवान नही है। पुण्यवान धर्मपुत्र सप्तऋषि कठोर तपस्या के लिए 'मणिचूल'पर्वत पर गए इनकी महान पवित्र सात पत्नियां भी इनके साथ थी इस पर्वत पर सप्तऋषियों द्वारा कठिन तपस्या प्रारंभ की गई।मणिचुल पर्वत पर एक मणिपुर नामक विशाल नगर था,जिसका स्वामी 'मल्लासुर'व उसका एक छोटा भाई 'मणिसुर'था।विष्णु प्रिय तथा ब्रह्मदेव को प्रसन्न करने के फलस्वरुप मल्ला-मणि अजेय हो गये मल्ला व मणि को अहंकार आ गया।

जब सप्तऋषि अपनी साधना कर रहे थे,वहां भी इन्होंने सब कुछ तहस-नहस कर अग्निहोत्र को खत्म कर विघ्न डाला,आश्रम को जला दिया इनके सैनिकों द्वारा दुर्व्यवहार किया गया लोग इनके आतंक से इतने भयभीत हो चले कि अपनी जान बचाने के लिए कई लोगों ने औपचारिक तौर पर इनकी पूजा भी शुरू कर दी यह सब देख सप्तऋषियों में क्रोध के साथ उदासी भी छा गई।अतःमदद के लिए ईश्वर से पुकार की,नारायण-नारायण का जयघोष करते हुए उनके पास देव ऋषि नारदजी आए ऋषियों ने पूरी घटना को विस्तार से कहा।नारद जी ने उन्हें देवराज इंद्र के पास सहायता के लिए पहुंचाया इंद्र ने मल्ला-मणि के आगे अपनी असमर्थता जताई। इंद्र ने कहा आपकी मदद भगवान विष्णु कर सकते हैं,आप उनकी सहायता ले।ऋषिगण भगवान के पास गए,श्री हरि ने भी ब्रह्मा के आशीर्वाद स्वरुप कहा कि वे दोनों भाई अत्यधिक शक्तिशाली हो चुके हैं मैं उनका वध नहीं कर सकता।उन्हें अजर-अमर का आशीर्वाद ब्रह्मदेव से प्राप्त है।आप देवाधिदेव महादेव के पास जाए अब वे ही है,जो आपकी सहायता कर सकते है उनसे आप विनती करे।सप्तऋषि कैलाश पर महादेव के पास जाकर मल्ला-मणि दैत्यों द्वारा हो रहे अत्याचारों की सम्पूर्ण घटना के बारे में बताया।महादेव सुनकर ही इतने क्रोधित हुए की उनकी आँखें लाल हो चली मल्ला-मणि तीनों लोकों पर अधिपत्य करना चाहते हैं।33 करोड़ देवी देवताओं के राजा इंद्र भी हमारे आदेश-आज्ञा का पालन मानता है,ऐसा दोनो भाइयो का कहना है।क्रोधित होकर महादेव ने सात ऋषियों की प्रार्थना पर मल्ला-मणि राक्षस को समाप्त करने व ऋषिमुनि,साधुसंत,सज्जनों की रक्षा व धर्म को पुनः स्थापित करने के लिये 'मार्तंड भैरव'का अवतार लिया। जो अत्यंत,दिव्य,भव्य,तेजस्वी,आंनमयी,सौम्य, सुंदरता में अद्भुत था।

स्कंध पर्वत पर महादेव के अवतार 'मार्तंड भैरव' तथा दैत्य मल्ला-मणि के बीच भीषण युद्ध हुआ अनेक प्रकार के शस्त्र का उपयोग किया गया मार्तंड भैरव ने दस हजार बाणों को एक साथ छोड़ने पर भी मणिदैत्य पर कुछ असर नहीं हुआ और उसने वह बाण टुकड़े-टुकड़े कर दिए।मणि ने क्रोध में आकर 1100 नुकीले अस्त्र का एक शस्त्र तैयार कर मार्तंड भैरव पर छोड़ा महादेव ने अपनी एक हुँकार से उसे नष्ट कर दिया दोनों ने एक दूसरे पर बाणों की बौछार की पर कोई परिणाम सामने नहीं आया।मणिदैत्य ने अपनी मायावी शक्ति से युद्ध मे ही रूप बदल कर कुत्ते(श्वान), घोड़े (अश्व),फिर हाथी का रूप लिया,इसके बाद मणि फिर अपने मूल स्वरूप में आया व तलवार से मार्तंड भैरव के ऊपर वार किया।इससे और क्रोधित होकर मार्तंडभैरव ने अपने त्रिशूल से मणि पर वार किया जिससे मणि के प्राण निकलते हुए वह धरती पर गिर पड़ा।सम्पूर्ण प्राण निकलने के पूर्व ही जोर-जोर से चिल्लाया दोनों हाथों को जोड़कर मार्तंड भैरव के चरण कमल में मस्तक रख दिया।मणिदैत्य ने भक्ति से विनती की! सज्जन की रक्षा के लिए,हे महादेव तुम्हारे हाथों मेरी मृत्यु हुई है,मैं भाग्यवान हूँ जो आपकी और मेरी भेंट हुई है।मणि ने महादेव की नाना प्रकार से स्तुति की,और कहा,मुझे आप ऐसा वर दे कि मैं हमेशा आपके पास ही रहूँ।परम पवित्र आपके चरण कमल सदैव मेरे मस्तिष्क पर रहे।(युद्ध का पांचवा दिन) प्रभु ने कहा'अश्व'(घोड़े)के रूप में तू सदा मेरे साथ मार्तंड भैरव रूप में रहेगा!'छठे दिन' युद्ध नही करने के लिए दैत्य मल्ला को भगवान विष्णु ने समझाया पर वह नहीं माना और युद्ध के लिए सज हुआ मार्तंड भैरव ने अपनी खांडा(तलवार)से उसका वध किया।मल्ला ने भी मृत्यु से पूर्व महादेव के चरणों में मस्तक झुकाकर दोनों हाथों को जोड़कर स्तुति प्रारंभ की ओर कहा हे नाथ मेरा उद्धार करों।11बार महादेव गायत्री मंत्र भक्ति के साथ आरंभ किया।?

तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि।तन्नो रुद्र प्रचोदयात।।

इसके बाद मल्ला ने शिव पार्वती की स्तुति कि...!

कर्पूरगौरं करुणावतारं संसारसारं भुजगेन्द्रहारम।सदा बसन्तं

हृदयारबिन्दे भबं भवानीसहितं नमामि।।

मार्तंडदेव ने कहा मल्ला वर मांग यह सुनकर मल्ला प्रसन्नचित्त हुआ उसने कहा हे नीलकंठ,हे महादेव,हे शंकरा आपके परमपवित्र नाम के आगे अंनतकाल तक सदैव भक्तगण मेरा नाम ले और आपके चरणकमल के नीचे सदैव मेरा शीश रहे! मल्ला को हरने वाले (मल्ला+हरी) श्रीमल्हारी मार्तंड भैरवछःदिनों तक चले युद्ध के कुछ क्षण बाद अपने भक्तों के आग्रह,प्रार्थना और विनती पर स्वयंभूलिंग के रूप में एक वृक्ष के नीचे स्थापित हुए इस समय तीनो लोको से पुष्पों की वर्षा होने लगी,ढ़ोल-नगाड़े बज रहे अप्सराऐ नृत्य कर रही थी,चारो ओर उत्साह का वातावरण था,ये आनन्द ओर उल्हास की घड़ी में 33 करोड़ देवी-देवता उपस्थित हुए।यह दिन मार्गशीर्ष मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठीतिथि दिन रविवार था चंपा के फूलों का पुष्प वर्षा में अधिक होना।चंपाषष्ठी इस पर्व को कहा गया।ये महादेव के मार्तंडभैरव अवतार का प्राकट्यत्सव का दिन है। म्हाळसा (पार्वती का रूप) व बोणाई धनगर (गंगा या पार्वती की सखी का रूप)इनकी पत्निया है।इनका मुख्य स्थान महाराष्ट्र के पुणे जिलें में जेजुरी है।ये मराठा एवं महाराष्ट्रीयन भाषियों के कुल दैवत है।

देवऋषि नारदमुनि द्वारा मंत्र,?

नमो मार्तण्ड भैरवाय नमः।श्री मल्हारी

मार्तंड भैरव अवतार की कथा में हल्दी,रोकड़ा,भरित,दुठि एवं जयघोष येळ्कोट येळ्कोट की भी अपनी मान्यता व कहानी है।

बलिदान दिवस पर विशेष

शिवकुमार शर्मा

लेखक महिला एवं बाल विकास विभाग से सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक हैं।

संघर्ष, साहस और स्वतंत्रता के प्रतीक टंट्या मामा

अरण्यवीर टंट्या भील,जिन्हें आदिवासी समाज में 'टंट्या मामा' के नाम से भी जाना जाता है,भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक साहसी योद्धा और महान नायक थे। उनका नाम इतिहास में उन गिने-चुने स्वतंत्रता सेनानियों में आता है, जिन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ अदम्य साहस के साथ संघर्षरत रहते हुएअपने प्राणों की आहुति दी। टंट्या मामा का जीवन,उनका व्यक्तित्व और अस्तित्व कुटिलता और जटिलता के विरुद्ध सरलता और तरलता का संघर्ष था। वे जमाखोरों के जानी दुश्मन होने के साथ साथ सामंतवाद के विध्वंसक और समतामूलक समाज के संस्थापक भी थे। 4 दिसम्बर को उनका बलिदान दिवस है।

भारत छोड़ो आंदोलन के सौ वर्ष पूर्व फिरंगियों को ललकारने वाले 'डूंगर नू नाहर'आदिवासी शूरवीर टंट्या का जन्म खण्डवा जिले की पंधाना तहसील के बड़दा गॉव में भाऊ सिंह के यहां मकर संक्रांति के 12 वे दिन 26 जनवरी 1842 को हुआ था। पिता ने टंट्या को लाठी-गोफन और तीर-कमान चलाना सिखाया । वे धनुर्विद्या में भी प्रवीण हुए। उनकी शिक्षा के सम्बन्ध में स्पष्ट व विस्तृत विवरण उपलब्ध नहीं है किंतु टंट्या भील पाड़ा-वाड़ा दुडा-कोयामुरी -पेनकड़ा- थाना-वाना -गावठाण-कूड़ा यानी पारंपरिक रूढ़िवादी ग्राम सभा का प्रतिनिधित्व करते थे और अंग्रेजी सहित कई भाषाएं जानते थे।युवावस्था में अंग्रेजों के सहयोगी साहूकारों की प्रताड़ना से तंग आकर वह अपने साथियों के साथ जंगल में कूद गये।आदिवासी समाज की दुर्दशा और उनके साथ अंग्रेजों का अन्याय देखकर टंट्या ने अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई। उन्हें 'भारतीय रॉबिनहुड' कहा जाता था क्योंकि उन्होंने अमीरों और जमींदारों से धन लेकर गरीबों की मदद की। वे ब्रिटिश सरकार की नीति और उनके द्वारा आदिवासियों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ एक जन आंदोलन बन गए थे। अंग्रेज उन्हें लुटेरा और डाकू कहते थे परन्तु पूरे आदिवासी समाज में वे गरीबों के भरण पोषण और रक्षा का भार उठाने के कारण मामा के रूप में जाने जाते थे।बताया जाता है कि उन्होंने 300 निर्धन कन्याओं का कराया विवाह तो बने मामा। इंदौर से लगभग 25 किलोमीटर दूर पातालपानी क्रांतिकारी टंट्या भील की कर्म स्थली है। यही वह जगह है जहां टंट्या भील अंग्रेजों की रेलगाड़ियों को तीर कामठी और गोफन के दम पर अपने साथियों के साथ रोक लिया करते थे। इन रेलगाड़ियों में भरा धन, जेवरात, अनाज, तेल और नमक लूट कर गरीबों में बांट दिया करते थे। टंट्या भील देवी के मंदिर में आराधना कर शक्ति प्राप्त करते थे और अंग्रेजों के खिलाफ बगावत कर आस पास घने जंगलों

में रहा करते थे। यहां आज भी वह मंदिर है, जहां वह आया करते थे। मंदिर में टंट्या मामा की प्रतिमा स्थापित है ।आजादी का परचम लहराने वाले भील योद्धा टंट्या 'मामा'आखिरी सांस तक अंग्रेजी सत्ता को चुनौती देते रहे।

टंट्या भील ने अंग्रेजों के खिलाफ गुरिल्ला युद्ध का तरीका अपनाया। वह जंगलों में छिपकर, अचानक हमला करके और फिर गायब हो जाने की कला में निपुण थे। उनके खिलाफ अंग्रेजी हुकूमत कई बार मुहिम चलाने के बावजूद नाकाम रही। उनके साहसिक कार्यों और नेतृत्व ने ब्रिटिश सरकार की नींद उड़ा दी थी।टंट्या को पहली बार 1874 के लगभग उन्हें गिरफ्तार किया गया था। एक साल की सजा काटने के बाद उनके जुर्म को चोरी और अपहरण के गंभीर अपराधों में बदल दिया गया। सन् 1878 में उन्हें दूसरी बार गिरफ्तार किया गया था। मात्र तीन दिन बाद वे खंडवा जेल से भाग गए और एक विद्रोही के रूप में शेष जीवन जिया।एक गद्दार द्वारा मुखबिरी कर छल पूर्वक पकड़वा दिया।इंदौर की सेना के एक अधिकारी ने टंट्या को क्षमा करने का वादा किया था, लेकिन घात लगाकर उन्हें जबलपुर ले जाया गया, जहाँ उन पर मुकदमा चलाया गया और 4 दिसंबर 1889 को फाँसी दे दी गई। पातालपानी में उनकी प्रतिमा की स्थापना तथा मध्य प्रदेश की सरकार द्वारा उनकी स्मृति व सम्मान में टंट्या मामा विश्वविद्यालय खोले जाने की घोषणा फरवरी 2024 में की गई। उनका बलिदान हमें कठिन से कठिन परिस्थितियों में अन्याय और अत्याचार के खिलाफ खड़ा होने की प्रेरणा देता है।बहादुरी, साहस के साथ अंग्रेजी शासन से लोहा लेते हुए अपने प्राण न्यौछावर तक कर देना उनके मातृभूमि के प्रति अमिट प्रेम का प्रतीक है।

विचार

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

संसार को जान लेना ही असली ज्ञान है

मनुष्य हमेशा से टूटता , जुड़ता और अपने भीतर कुछ नया जोड़ता रहता है । टूटने जुड़ने और जोड़ने की जो स्थिति मनुष्य में होती है वहीं मनुष्य को अन्य प्राणियों से अलग और सभ्यता के प्रसार क्रम में सबसे विशिष्ट बनाने का काम करती है । मनुष्य जब चलते-चलते थक जाता है तो आराम की मुद्रा में आ जाता है । वह विश्राम की दशा में ज्यादा देर नहीं रहता , जल्दी ही उठकर नये सिरे से चलने के लिए तैयार हो जाता है । यह उठना , चलना , आगे बढ़ना और जीवन के हर मोड़ को अपने हिसाब से जीने की कला ही मनुष्य को मूल्यवान संदर्भों से जोड़ती है । यह सच है कि टूटने के क्रम में ही जुड़ते जाते हैं । यह सच है कि आदमी जब बहुत ज्यादा श्रम करता है तो उसको विश्राम की जरूरत होती है । श्रम विश्राम की दशा आदमी को अपनी गति के लिए, अपने मार्ग के लिए पूर्णता देने का काम करती है ।

कभी-कभी कुछ भी करने का मन नहीं होता है । मन का अनमना होना मन की एक दशा होती है । इस दशा में मन को आराम मिलता है और मन तथा देह के उस बड़े हिस्से का रिपेयर हो जाता है जो भागदौड़ भरी जिंदगी में टूटती रहती हैं । टूटे हुए हिस्से को रिपेयर करना ही मनुष्य होने की पहचान है । मनुष्य हमेशा से टूटता , जुड़ता और अपने भीतर कुछ नया जोड़ता रहता है । टूटने जुड़ने और जोड़ने की जो स्थिति मनुष्य में होती है वहीं मनुष्य को अन्य प्राणियों से अलग और सभ्यता के प्रसार क्रम में सबसे विशिष्ट बनाने का काम करती है । मनुष्य जब चलते-चलते थक जाता है तो आराम की मुद्रा में आ जाता है । वह विश्राम की दशा में ज्यादा देर नहीं रहता , जल्दी ही उठकर नये सिरे से चलने के लिए तैयार हो जाता है । यह उठना , चलना , आगे बढ़ना और जीवन के हर मोड़ को अपने हिसाब से जीने की कला ही मनुष्य को मूल्यवान संदर्भों से जोड़ती है । यह सच है कि टूटने के क्रम में ही जुड़ते जाते हैं । यह सच है कि आदमी जब बहुत ज्यादा श्रम करता है तो उसको विश्राम की जरूरत होती है । श्रम विश्राम की दशा आदमी को अपनी गति के लिए, अपने मार्ग के लिए पूर्णता देने का काम करती है । श्रम और विश्राम की इस मनोदशा को बहुत अच्छे से मानवीय भावों के कवि प्रसाद ने इस तरह प्रस्तुत किया है -

ले चल वहां मुझे भुलावा देकर
मेरे नाविक! धीरे-धीरे
जिस निर्जन में सागर लहरी
अम्बर के कानों में गहरी
निश्छल प्रेम कथा कहती हो
तज कोलाहल की अवनी रे ।
जहां सांझ सी जीवन छाया
ढ़ीली अपनी कोमल काया
नील नयन से ढुलकाती हो
ताराओं की पांति घनी रे
जिस गंभीर मधुर छाया में
विभुता विभु सी पड़े दिखाई

दुःख सुख वाली सत्य बनी रे
श्रम विश्राम छितिज बेला से
जहां सृजन करते मेला से
अमर जागरण उषा नयन से
बिखराती हो ज्योति घनी रे !

यहां विश्राम की दशा श्रम की दशा के बाद है । श्रम है तो विश्राम है और यह जीवन यात्रा की स्वाभाविक दशा है । यह सांसारिक यात्रा जब तक जीवंत रहती है तब तक ही स्वतंत्रता की यात्रा होती है । जब यात्रा में थकान, उब आने लगे तो रुक जाना या विश्राम की दशा में आ जाना ही श्रेयस्कर है । यह दिशा अपने को नये सिरे से चलने के लिए प्रेरित करती है । इस मोड़ से ही यात्रा संभव होती है । इसीलिए जीवन में विश्राम की मुद्रा का बहुत सार्थक उपयोग आना चाहिए । विश्रांति में जाना , नींद में जाना आगे की अनंत यात्राओं का रास्ता खोलना है । होता यह है कि जब हमारे उपर बहुत ज्यादा काम होता है तो इसका असर हमारे मस्तिष्क पर पड़ता है ?। इसके बाद देह पर होता है । मन के साथ देह इस तरह जुड़ा होता है कि एक के साथ दूसरे का प्रभावित होना स्वाभाविक हो जाता है । मन की दशा का सबसे पहले हमारे शरीर पर फर्क पड़ता है । इसलिए जब मन कहे कि कार्य नहीं करना है तो बिल्कुल नहीं करना चाहिए पर जब भी कार्य करें तो पूरे मन से करें । कोई भी कार्य जब मन से किया जाता है तो वह न केवल पूरा होता है बल्कि वह सफल होने और सार्थक होने की गारंटी भी देता है ।

कोई कोई समय या दिन ऐसा आता है जब कुछ कर नहीं पाते , कुछ न करने की स्थिति में होते हैं पर यह कोई स्थाई दशा नहीं होती है । थोड़ा धैर्य के साथ इन स्थितियों से निकलने के लिए कदम बढ़ाना चाहिए । जब आपका कुछ भी न करने का मन हो तो परेशान होने की जगह थोड़ा रुककर विचार करना चाहिए कि हम क्या कर सकते हैं और हमें क्या करना है । इस समय आप कुछ करें या न करें पर अपने मित्रों से बातचीत करें अपने मन की दुनिया में रमे , थोड़ा संगीत सुनें या इसी तरह का कुछ करें जिसमें मन लगता हों । मन का रम जाना ही हमें जीवन से जोड़ता है । हम इस अवस्था में आह्लाद की दशा में आ जाते हैं ।

कोई जरूरत नहीं है कि हर समय आप कार्य करें ही बहुत बार अधिक कार्य करने के लिए आराम की मुद्रा भी चाहिए यह जो आराम की मुद्रा है वह हमारे भीतर शक्ति भरने का काम करती है इस दशा में हम अपने भीतर शक्ति अर्जित करते हैं । शक्ति बाहर से नहीं ली जाती है उसे तो अपने भीतर से ही प्राप्त करना होता है । कोई भी क्यों न हो उसे शक्ति प्राप्त करने के लिए अपनी दुनिया में अपने लोगों के बीच जाना होता है । जब आप अपने हिसाब से जीवन को देखने की कोशिश करते हैं तो आप अपने को समझने का कार्य करते हैं । मन की दशा और मन की गति को समझना ही जीवन जीना होता है ?।

बातचीत करते हुए मित्रों के संग दुनिया को समझने की कोशिश में जब मन चलता है तो मन ऐसे कदम बढ़ाता है कि वह अपढ़ हों उसे क्या करना है उसे क्यों पढ़ना चाहिए और न पढ़ने की ज़िद कर लेता है पर बहुत बार लगता है कि पढ़ना केवल किताबों को खोलकर बैठ जाना नहीं है , न ही मोटी मोटी किताबों में सिर धुनना ही पढ़ना है । बिल्कुल एक अक्षर पढ़ें बिना भी पढ़ सकते हैं यदि धैर्य के साथ दुनिया को देखना सीख जाएं तो आप बिना पढ़े लिखे भी ज्ञान से ज्ञानात्मक संसार से जुड़ते चलें जाते हैं । संसार बहुत फैला हुआ है इसे जानने के लिए संसार में गति करने की जरूरत होती है । एक जगह बैठ कर भी संसार को जाना जा सकता है या संसार में घूम कर संसार को जाना जा सकता है ।

संसार को यदि जान पाते हैं तो यही सच में पढ़ना लिखना है । पढ़ें जाने की कोई और कोशिश का कोई खास अर्थ नहीं होता । कोई कोई तो ऐसा ज्ञानी होता है कि उसे, सब ज्ञात होता है । इसी ज्ञान के आधार पर वह संसार भर को अपने साथ लिए चलता है कहीं से कहीं भी पहुंच सकते हैं और कहीं से कहीं जा सकते हैं ।? यहां संसार को देखने की कला में जो कलाकार होते हैं वो कहीं गये बिना भी सब जगह पहुंच जाते और कई तो ऐसे कलाकार होते हैं कि एक ही जगह पर होते हुए संसार की परिक्रमा कर आते हैं । यह संसार दिलचस्प है और इस संसार को जानना ही असली ज्ञान है जो इसे जान लेता है उसे कुछ और जानने की जरूरत ही नहीं होती है।

नगर पालिका परिषद सारणी में जोनल ऑफिसर किए नियुक्त

बैतूल। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने नगरीय निकाय के उप निर्वाचन 2024 के अनुक्रम में नगर पालिका परिषद सारनी में जोनल ऑफिसर नियुक्त किए है। जारी आदेश के अनुसार जनपद पंचायत घोड़ाडोंगरी सहायक यंत्री श्रीमती योगिता पाटिल को कर्मचारी क्लब शोभापुर पश्चिम भाग, पूर्व भाग सेक्टर में सम्मिलित मतदान केन्द्र का जोनल ऑफिसर नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार महिला एवं बाल विकास घोड़ाडोंगरी परियोजना अधिकारी श्रीमती शशिप्रभा इक्का को रिजर्व जोनल ऑफिसर नियुक्त किया गया है।

उल्लेखनीय है कि म.प्र.राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नगरीय निकाय के उप निर्वाचन 2024 के तहत नगर पालिका परिषद सारनी के वार्ड क्रमांक 33 में 9 दिसंबर 2024 को मतदान होना है। संबंधित जोनल ऑफिसर मतदान दलों को सामग्री वितरण कार्य से लेकर मतदान पश्चात मतदान दलों की वापसी एवं निर्वाचन सामग्री वापस जमा करने तक के लिए क्षेत्र के मतदान केन्द्र की व्यवस्था के लिए उत्तरदायी रहेंगे।

हिमानी विश्वकर्मा के हृदय उपचार के लिए 1.50 लाख स्वीकृत

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत आठनेर के गुणवंत नगर वार्ड नं. 6 निवासी कुमारी हिमानी पिता संदीप विश्वकर्मा उम्र 1 वर्ष 10 माह का हृदय रोग उपचार के लिए एक लाख पचास हजार रुपये की राशि स्वीकृत की है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.रविकांत उइके ने बताया कि कु.हिमानी का चिरायू हेल्थ एण्ड मेडिकल प्राइवेट लिमिटेड-6 मालीपुरा भोपाल में हृदय रोग का उपचार किया जाएगा। मरीज के डिस्चार्ज उपरांत तीन माह तक निःशुल्क औषधि, फॉलोअप एवं उपचार के समय होने वाली आवश्यक जांच तथा रक्त की निःशुल्क व्यवस्था संबंधित चिकित्सालय द्वारा ही की जाएगी।

कलेक्टर - एसपी और एसडीएम से मांग

पुनर्वास केंद्र से निरस्त किए पट्टे वापस दिए जाए

बैतूल । मंगलवार 3 दिसंबर को पुनर्वास केंद्र सोनाघाटी से एक रैली निकाली, जिसमें महिला बच्चे बूढ़े सभी शामिल थे । उन्होंने कलेक्टर, एसपी और एसडीएम को ज्ञापन सौंप कर मांग की है कि पुनर्वास केंद्र से निरस्त किए पट्टे वापस दिए जाए। साथ ही पुनर्वास केंद्र में स्थापित पुलिस सहायता केंद्र को अलग से स्थापित किया जाए। सोनाघाटी स्थित पुनर्वास केंद्र से रैली की शक्ल में कलेक्ट्रेट पहुंची पुनर्वास केंद्र की सैकड़ों महिलाओं और बुजुर्ग तथा बच्चों का नेतृत्व कर रही संगीता सोलंकी ने बताया कि वर्ष 2007 में मुलताई तहसील अंतर्गत ग्राम चौथिया की बस्ती की आशियाने

जलाकर लूट और बलात्कार की घटनाओं को अंजाम दिया गया था। उक्त घटना के बाद पुनर्वास संघ के मुखिया अलसिया सोलंकी ने बेघर हुए उन परिवारों को पुनर्वास दिए जाने को लेकर माननीय हाई कोर्ट तक आवाज लगाई थी जिसमें माननीय न्यायालय पुनर्वास करने की आदेश बैतूल जिला प्रशासन को दिए थे लेकिन प्रशासन ने इन परिवारों को पुनर्वास की नियमों के तहत स्थापित नहीं किया गया है । संगीता सोलंकी ने आरोप लगाया है कि बैतूल के सोनाघाटी क्षेत्र में पुनर्वास किया गया है जिसमे पुनर्वास के किए जाने की नियमों का जिला प्रशासन द्वारा पालन नहीं किया गया है जिसके चलते ही यह समस्या उत्पन्न हो रही है। उनका यह भी आरोप है कि पुनर्वास के नियमों का पालन करने की मांग करते करते कई लोगों की मृत्यु भी हो गई हैं। पुनर्वास केंद्र के इस प्रतिनिधि मंडल द्वारा 3 नवंबर दिन मंगलवार को कलेक्टर ,एसपी और एसडीएम बैतूल को दिए ज्ञापन में खास बात यह उल्लेख है कि इस समुदाय के मुखिया अलसिया के लिए आवंटित पट्टे भी बगैर जांच पड़ताल के निरस्त कर दिया गया हैं । जिसे वापस दिलाए जाने की मांग प्रमुखता से ज्ञापन पत्र के माध्यम से की गई है। संगीता सोलंकी ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि उनके पति अलसिया सोलंकी पुनर्वास के लिए भगीरथ प्रयास किया था जिसके बदौलत ही प्रशासन को मजबूरी में पुनर्वास करना पड़ा है। संगीता सोलंकी के प्रशासन से सवाल किया है कि जिनके प्रयास से जिला प्रशासन को पुनर्वास पुनर्वास करना पड़ा है उन्ही कब पट्टे निरस्त किया जाना कहां तक नया संगत है ?इसके अलावा ज्ञापन पत्र में यह भी मांग की गई है कि पुनर्वास केंद्र में स्थापित पुलिस चौकी से पुनर्वास केंद्र के रहवासियों को कोई सुरक्षा नहीं मिल पा रही है इसलिए उनको पुनर्वास केंद्र से अन्यत्र स्थापित किया जाए।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार का जिले में चहुंओर विरोध

बैतूल। बांग्लादेश में कट्टरपंथियों द्वारा मंदिरों को जलाने एवं हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार की घटनाओं के विरोध में आज मंगलवार को सकल हिंदू समाज ने बड़े स्तर पर बैतूल और मुलताई में प्रदर्शन किया। बैतूल में न्यू बैतूल स्कूल से एक विशाल रैली निकाली गई, जिसमें सांसद डीडी उईके, जनअभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, नगरपालिका बैतूल अध्यक्ष पार्वती बारस्कर, भाजपा जिलाध्यक्ष बबला शुक्ला समेत बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाओं और युवाओं ने भाग लिया। यह रैली नारे लगाते हुए लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में समाप्त हुई। जहां बैतूल सकल हिंदू समाज द्वारा राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन बैतूल एसडीएम राजीव कहार को ज्ञापन सौंपा।

गौठाना के आसपास रहवासियों को जल्द मिलेगी कचरे के ढेर से राहत

लीगेसी वेस्ट प्लांट में कचरे का होगा वैज्ञानिक पद्धति से निष्पादन

संजय द्विवेदी, बैतूल। नगर पालिका का ट्रेंचिंग ग्राउंड शहर के गौठाना क्षेत्र के लोगों के लिए बड़ी समस्या बना हुआ था। कचरे के ढेर और दुर्गंध से यहाँ के लोग परेशान थे, लेकिन जल्द ही इस समस्या से लोगों को राहत मिलेगी। नोएडा की इकोस्टन इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को शहर के गौठाना क्षेत्र के 11 एकड़ में ट्रेंचिंग ग्राउंड में 1.37 लाख मीट्रिक टन कचरे का निष्पादन के लिए लीगेसी वेस्ट प्लांट लगाने का काम शुरू कर दिया है। और लगभग एक सप्ताह में प्लांट का औपचारिक उद्घाटन भी कर दिया जाएगा। प्लांट से प्रतिदिन 1000 टन कचरे का वैज्ञानिक पद्धति से निष्पादन होगा। दरअसल नगरपालिका पिछले 30 सालों से गौठाना क्षेत्र स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड में शहर का कचरा एकत्रित करती आ रही है। शहर से प्रतिदिन 30 से 35 टन कचरा निकाला जाता हैं, जिसे भी ट्रेंचिंग ग्राउंड में ही डम्प किया जाता है। जिससे यहां कचरे का पहाड़ लग गया है और आसपास आबादी क्षेत्र होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। खासकर बारिश के दिनों में कचरे से उठने वाली बदबू और गंदगी के कारण लोग खासे परेशान थे। लेकिन अब लोगों को इन परेशानियों से जल्द राहत मिलने की उम्मीद है।

बायोमाइनिंग से अलग होगा कचरा, सीमेंट उत्पादन के लिए भेजेगे

करीब 11 एकड़ क्षेत्र में फैले ट्रेंचिंग ग्राउंड में जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं। इस कचरे का वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण संयंत्र के रूप में निष्पादन किया जाएगा। इकोस्टन इंफ्रा प्रा.लि कंपनी नोएडा के अधिकारियों ने बताया कि नौ माह में ट्रेंचिंग ग्राउंड के कचरे से लोगों को मुक्ति मिल जाएगी। बताया जा रहा है कि ट्रेंचिंग ग्राउंड में बायोमाइनिंग के माध्यम से अलग किए गए गैर-पुनर्चक्रण योग्य कचरे को सीमेंट उत्पादन के लिए भेजा जाएगा। इस तरह के कचरे को रिफ्यूज-व्युत्पन्न ईंधन (आरडीएफ) के रूप में स्थानांतरित किया जाता है, जिसका उपयोग सीमेंट कारखानों द्वारा किया जाता है।

पांच अलग-अलग भागों में विभक्त होगा कचरा

बैतूल में पांच अलग-अलग प्रकार के बायोमाइनिंग घटकों को विभक्त किया जाएगा। पुनर्चक्रण योग्य, अपशिष्ट व्युत्पन्न ईंधन (आरडीएफ) सामग्री के रूप में दहनशील, गैर-दहनशील सामग्री के रूप में सीएंडडी अपशिष्ट, भराव सामग्री के रूप में मोटे या निष्क्रिय अंश, खाद या मिट्टी के रूप में जैव-पृथ्वी या अच्छी पृथ्वी कंडीशनर और प्रक्रिया अवशिष्ट प्रक्रिया शामिल है। इकोस्टन इंफ्रा. कंपनी ने अक्टूबर में ही पुराने कचरे का बायोमाइनिंग शुरू कर दिया था। मशीनरी एक दिन में 1000 मीट्रिक टन कचरा का निष्पादन करने की क्षमता रखती है।

ट्रेंचिंग ग्राउंड को लेकर लोग दर्ज करा चुके है विरोध

ट्रेंचिंग ग्राउंड को शहर से बाहर किए जाने के लिए लोगों ने प्रयास भी किए। गौठाना क्षेत्र में ट्रेंचिंग ग्राउंड को लेकर आसपास के रहवासी विरोध भी कर चुके है। कई बार रहवासी सडक़ पर बैठकर चक्काजाम, कचरा वाहनों को रोकने जैसा विरोध प्रदर्शन किया था, आखिरकार लोगों का प्रयास रंग लाया और नगरपालिका को कचरे के ढेर का निष्पादन करने के लिए प्लांट लगवाना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि कंपनी के सर्वेक्षण के अनुसार, ट्रेंचिंग ग्राउंड में 1.33 लाख मीट्रिक टन पुराना कचरा मौजूद हैं। जिसे बायोमाइनिंग के माध्यम से अलग किए गए गैर-पुनर्चक्रण योग्य कचरे को सीमेंट उत्पादन के लिए भेजा जाएगा।

इनका कहना-

ट्रेंचिंग ग्राउंड के आसपास के रहवासियों को जल्द ही कचरे के ढेर से मुक्ति मिल जायेगी। नोएडा की कंपनी को तेजी से प्लांट लगाने का कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। उम्मीद है कि लगभग एक सप्ताह में प्लांट शुरू कर दिया जाएगा।

-सतीश मटसेनिया, सीएमओ नगरपालिका बैतूल

लीगेसी वेस्ट प्लांट से प्रतिदिन एक हजार टन कचरे का वैज्ञानिक पद्धति से निष्पादन शुरू कर दिया जाएगा। नौ महीने के अंदर 1.37 लाख टन कचरे के ढेर को हटा दिया जाएगा।

- अभिषेक पांडे, प्रोजेक्ट इंजीनियर इकोस्टन इंफ्रा प्रा.लि कंपनी नोएडा

जिला जेल बैतूल में एचआईवी एड्स पर जागरूकता आयोजन

बैतूल। एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा मंगलवार को जिला जेल बैतूल में विश्व एचआईवी एड्स पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला नोडल अधिकारी डॉ आनंद मालवीय द्वारा उपस्थित समस्त कैदियों को एचआईवी एड्स की जानकारी के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य, सिफलिस, टीबी रोग की पहचान, जांच एवं परामर्श के बारे में बताया गया। एआरटी काउंसलर सह डाटा मैनेजर श्री दिनेश भावरकर द्वारा एकीकृत परामर्श और परीक्षण केन्द्र, एआरटी से प्रदत सेवाओं, एचआईवी एण्ड एड्स एक्ट 2017 के संबंध में एवं दैनिक जीवन में व्यायाम एवं खानपान, स्वस्थ जीवन शैली के बारे में बताया गया। सुभिक्षा जेल इंटरवेंशन प्रोजेक्ट अरुण वाघमारे पीपीएम द्वारा प्रोजेक्ट के अंतर्गत प्रदत सेवा, असामान्य मानसिक विकारों, मानसिक बीमारियों की पहचान एवं मानसिक विकारों का सामाजिक पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में बताया गया। आईसीटीसी काउंसलर श्रीमती अनीता लोखंडे द्वारा एचआईवी एड्स के जानकारी एवं बचाव का तरीका एवं डीएसआरसी काउंसलर काउंसलर श्रीमती शिल्पी कश्यप द्वारा एचआईवी की जानकारी प्रदान कर फीडबैक के माध्यम से जानकारी ली गई। उल्लेखनीय है कि एड्स दिवस-2024 के तहत (1 से 7 दिसम्बर 2024) साप्ताहिक जागरूकता अभियान अंतर्गत सही रास्ता अपनाएं, मेरा स्वास्थ्य मेरा अधिकार थीम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। इस अवसर पर प्रभारी सहायक अधीक्षक रामराव सलामे, हरि सिंह लोधी, सनद कुमार पंडाग्रे फार्मासिस्ट, विशाल जेम्स मेल स्टॉप नर्स, एवं जेल स्टाफ, एलटी गणेश साकरे, नवनीत वाडबुदे हेपेटाइटिस विभाग, श्रीमती पुष्पलता खराबे उपस्थित रहे ।

14 दिसंबर को होगी नेशनल लोक अदालत

बैतूल। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार आगामी 14 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन होगा। इसके प्रचार-प्रसार के लिए 4 दिसंबर को सुबह 10ः30 बजे जिला न्यायालय परिसर से माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

बच्चों ने लिया योग करने का संकल्प

13,14 और 15 दिसंबर को होगा योग-आरोग्य शिविर

बैतूल। जिले में इन दिनों योग की लहर है और आम योग साधकों के साथ बच्चों में भी योग-आरोग्य शिविर को लेकर उत्साह है। बच्चे भी न सिर्फ शिविर में शामिल होने के लिए उत्साहित हैं बल्कि शिविर के बाद भी सतत योग के लिए संकल्प ले रहे हैं। गौरतलब है कि आगामी 13, 14 और 15 दिसंबर को बैतूल शहर के लालबहादुर शास्त्री स्टेडियम में जहां सुबह 6 बजे से 8 बजे तक योग शिविर लगेगा वहीं शिवाजी ओपन ऑडिटोरियम में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक आरोग्य चिकित्सा शिविर लगेगा। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से स्वामी रामदेव के परम शिष्य और पतंजलि योग समिति के केंद्रीय प्रभारी स्वामी डा परमार्थदेव समेत काफी संख्या में देश-प्रदेश के योग शिक्षक और योग साधक इस तीन दिवसीय योग-आरोग्य शिविर में शामिल होंगे।

योग के इस महाकुंभ को सफल बनाने के लिए योग साधकों के दल गांव-गांव, वार्ड-वार्ड घूम रहे हैं। आज मंगलवार को सुबह पुलिस ग्राउंड में रघुकुल डिफेंस अकादमी की टीम के सौ से अधिक बच्चों ने अकादमी प्रमुख अशोक रघुवंशी के नेतृत्व में योग का संकल्प लिया। वहीं संजीवनी स्कूल में संचालक गजेन्द्र पवार के नेतृत्व में सैंकड़ों बच्चों ने योग का संकल्प लिया। कृषि उपज मंडी बडोरा में भी समाजसेवी व्यापारी प्रमोद अग्रवाल एवं सब्जी व्यापारी राजकुमार राठौर के नेतृत्व में किसानों के बीच योग-आरोग्य शिविर का प्रचार किया।

योग-आरोग्य शिविर के इस जागरूकता अभियान में प्रमुख रूप से पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी सुनील कुबड़े, योग-आरोग्य शिविर के संयोजक सुनील व्दिवेदी, युवा भारत के हितेश पटेल, दर्शन समिति के संजय पप्पी शुक्ला, योग आयोग के जिलाध्यक्ष विनोद परिहार, प्रत्याशा फाउंडेशन के तूलिका पचौरी, आशीष पचौरी, नित्या सेवा समिति प्रमुख बलराम जसूजा, आरोग्य भारती से नीलम दुबे, पतंजलि योग समिति के विमल दुबे, श्रीमती रोमा पटेल, श्रीमती रत्नमाला कुबड़े, माधुरी खातरकर, पिंकी भाटिया, पंतजलि किसान सेवा समिति के नवनीत वर्मा और बेनीचरण पुंडे, रामदयाल बोरबन, तेजस कुबड़े, पंजाबराव अड़लक, लक्ष्मीकांत साहू, मनोहर साहू, दिनेश लिखितकर, वंदना कुंभारे, तरुणा द्विवेदी, निमिषा शुक्ला कृष्णा अमरुते, संगीता सोनी, देविका दीदी, संगीता बोड़खे,गणेश मायवाड़े, भूपेंद्र सोनी एमएस पवार मोतीलाल यादव, नारायण यादव ,अनिल साहू, मनोहर साहू, नरेश अंघोरे, हरकचन्द सोलंकी, हितेंद्र देशमुख, लालचंद सिनोटिया, सतीश पाल आदि शामिल थे।

चित्रकला प्रतियोगिता में दिव्यांग बच्चों ने रंगों के माध्यम से उकेरी कल्पनाएं

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर हुआ विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

बैतूल। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद् की नवांकुर संस्था, प्रत्याशा संस्था एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं समाजसेवियों ने ओंकार स्पेशल चाइल्ड स्कूल में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों को एक खुशनुमा माहौल दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों के अधिकारों, उनके कल्याण और समाज में उनकी सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत रंग-बिरंगी चित्रकला प्रतियोगिता से हुई, जहां बच्चों ने अपनी कल्पनाओं को रंगों के माध्यम से उकेरा। इसके बाद विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों की उत्सुकता और मुस्कान ने माहौल को और भी खास बना दिया। वरिष्ठ पत्रकार सुनील द्विवेदी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल और गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास किया जा सकता है। पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी सुनील कुबड़े ने योग और प्राकृतिक चिकित्सा की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि योग के माध्यम से दिव्यांग बच्चों के स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। प्रत्याशा संस्था अध्यक्ष तूलिका पचौरी ने बच्चों और उनके परिवारों को विधिक सेवा के अंतर्गत मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने और कृत्रिम अंगों की व्यवस्था जैसे विषयों पर प्रकाश डाला। समाजसेविका तरुणा द्विवेदी ने बच्चों से उनकी रुचियों और शौक के बारे में चर्चा की, जिससे बच्चों ने उत्साहपूर्वक अपनी पसंदीदा चीजें बताईं। कार्यक्रम में प्रमिला धोत्रे ने बच्चों को बैडमिंटन सेट और खिलौने भेंट किए। आयोजन के दौरान प्रज्वल धोत्रे, कृष्ण अमृते, करुणा रघुवंशी, छाया चंदेल, पूनम राजपूत, और ओंकार स्पेशल स्कूल की प्राचार्य रुक्मणी सोनारे समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सड़क पर आध्यात्मिक शास्त्र सम्मत विरोध देखकर नगरवासी भौंचक रह गये...

नर्मदापुरम। एलआईसी दफ्तर के उपर द्वितीय तल स्थित इस्कॉन मंदिर परिवार ने आज बंग्लादेश में भक्तों के साथ हो रहे अत्याचार के विरुद्ध संकीर्तन रैली निकाल कर अपना विरोध प्रदर्शित किया। मंदिर परिवार के मुखिया प्रणव दास प्रभु और वृन्दावन चंद्र दास प्रभु के नेतृत्व में सुबह साढ़े दस बजे एलआईसी दफ्तर से निकाली गई संकीर्तन रैली पूरी तरह आध्यात्मिक और शास्त्र सम्मत रही। भक्तों पर आए संकट का निवारण केवल भगवान कृष्ण ही निवारण करेंगे इस ध्येय को रखकर आज मंदिर परिवार के वैष्णव और भक्त दोनों ने मिलकर पूरे उत्साह से दायित्व निभाया, नगर की सड़क पर हरिनाम संकीर्तन का आंनद आने जाने वालों सहित नगरवासियों को पूरी तन्मयता से उठाया जो मंदिर परिवार द्वारा किए जा रहे हरिनाम संकीर्तन को दोहराते प्रसन्न मुद्रा में भक्तों का अभिवादन करते रोमांचित नजर आ रहे थे। मीनाक्षी चौक, नर्मदा महाविद्यालय, रामजी बाबा समाधि स्थल, बस-स्टैंड अमर चौक, जयस्तम्भ हलवाई चौक, इतवारा बाजार, गांधी पार्क, नेहरू पार्क, टेलीफोन एक्सचेंज चौक, विवेकानंद घाट के सामने से मंदिर पहुंची संकीर्तन पार्टी जहां-जहां से गुजरी सभी के मुख केवल हरिनाम संकीर्तन बुदबुदाते मिले, कुछ जरूर जोर से हरिनाम संकीर्तन का उच्चारण कर रहे थे बाकियों को लेकर महसूस हुआ जैसे वे ठंड से प्रभावित हो लेकिन नाम संकीर्तन उनके होंठों पर सुनाई दिया। शास्त्र सम्मत आध्यात्मिक इस विरोध की नगर में आज जमकर चर्चा रही जो हरिनाम संकीर्तन सुनकर स्वयं भी तृप्त हुए और दूसरों को भी आनंदित किया राजनीति से दूर पूरी तरह आध्यात्मिक और शास्त्र सम्मत इस्कान मंदिर परिवार के इस विरोध के अंत में परिवार के मुखिया प्रणव दास प्रभु ने सभी का आभार व्यक्त किया।

50 बिस्तर ,तीन मंजिला 9 करोड़ की लागत से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का उन्नयन होगा

सुबह सवेरे सोहागपुर। 50 बिस्तर,तीन मंजिला 9 करोड़ 19 लाख की लागत से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उन्नयन किया जाएगा।इस संबंध में क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से आग्रह के बाद स्वीकृत मिल गई है। उक्त आश्य की जानकारी विधायक प्रतिनिधि अश्विन सरोज ने इस प्रतिनिधि को दी। आपने आगे बताया कि क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह के अथक प्रयासों सोहागपुर के नागरिकों को यह सौगात मिली है। लोक निर्माण विभाग पीआईयू के माध्यम से मेसर्स वेलजी रत्ना सोराठिया इन्फ्रा प्राईवेट लिमिटेड कच्छ गुजरात के द्वारा 18माह में पूर्ण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि नगर में सिविल अस्पताल की मांग काफी लंबे समय से जनता कर रही थी। ज्ञातव्य है कि अभी तक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में बेड की कमी होने के कारण मरीजो को असुविधा होती थी । बेड फुल होने के कारण मरीजो को अस्पताल प्रबंधक को को नर्मदापुरम रिफर करना पड़ता था । लेकिन अब 50बिस्तरीय होने से यह समस्या

नहीं होगी। इसके साथ ही अत्याधुनिक मशीनों को भी इस अस्पताल में स्थापित किया जाएगा। विधायक श्री सिंह ने यह भी कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में कई महत्त्वपूर्ण विकास कार्य हुए है ?।जिनका लाभ जनता-जनार्दन को मिला है । आपने आश्वस्त किया है कि आगे भी सोहागपुर विधानसभा को मॉडल के रूप में विकसित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

ज्ञातव्य है कि माखननगर में भी जो अस्पताल संचालित हो रहे अस्पताल का भी उन्नयन सिविल अस्तपाल में कराया जाएगा। विधायक श्री सिंह ने यह भी कहा कि केवल विकास ही नहीं लोगों के कल्याण के लिए भी अनेक योजनाएँ चलाई जा रही हैं। जिसमें निःशुल्क राशन, निःशुल्क इलाज, लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहना योजना, मातृ वंदना, गाँव की बेटी, गरीबों के प्रतिभावान बच्चों के लिए पढ़ाई की व्यवस्था, किसान सम्मान निधि जैसी अनेकों योजनाओं से लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। इससे जन-मानस को योजनाओं से जीवन स्तर ऊपर उठ रहा है। इसका जीता-जागता उदाहरण है उज्जवला योजना। अब किसी मां ,बहिन को जब लकड़ी या कोयले को जलाकर शरीर के लिए हानिकारक धुएं के दुष्प्रभाव से मुक्त मिल रही है।। वर्तमान में देश में गरीब करोड़ों

परिवारों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन मिला है। वहीं रियायती दर पर सिलेंडर भी मिल रहा है। क्षेत्र के विकास के सदैव तत्पर हो सहायता करता रहूंगा। अस्पताल के उन्नयन पर क्षेत्र के नागरिकों एवं भाजपा के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह का आभार व्यक्त किया है।

ढेकहा तिराहे से करहिया मण्डी तक सड़क निर्माण तत्काल प्रारंभ करें: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने सर्किट हाउस रीवा में विभिन्न विभागों के सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने

एमपीआरडीसी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि ढेकहा तिराहे से करहिया मण्डी तक सड़क निर्माण कार्य की बाधाओं को राजस्व विभाग के समन्वय से दूर करते हुए प्रारंभ कराएं तथा निश्चित मानक के अनुसार पूर्ण गुणवत्ता के साथ कार्य को पूरा करें। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण के जो कार्य पूर्ण हो रहे हैं उनका लोकार्पण कराएं तथा अपूर्ण कार्यों को गति देते हुए पूरा किया जाना सुनिश्चित करें। बैठक में प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवड़े सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

झलबदरी तालाब का किया निरीक्षण

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा के झलबदरी तालाब का निरीक्षण किया। उन्होंने तालाब के सौन्दर्यीकरण कार्य को शीघ्र पूरा करने तथा तालाब में व आसपास स्वच्छता सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह को मिलेगा कलिंगा सेफ्टी एक्सीलेंस अवार्ड

भोपाल। इंस्टीट्यूट ऑफ क्वालिटी एन्ड एनवायरनमेंट मैनेजमेंट सर्विसेस एवं इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लि?क इंटरप्राइजेस का प्रतिष्ठि?त कलिंगा सेफ्टी एक्सीलेंस अवार्ड-2023 मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग

कंपनी के श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना को देने का निर्णय लिया गया है। विद्युत गृह को यह अवार्ड लार्ज स्केल इंटरप्राइजेस मेजर इंडस्ट्री केटेगरी में मिलेगा। उल्लेखनीय है कि श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना ने अवार्ड के लिए निर्धारि?त सेफ्टी (सुरक्षा), स्वास्थ्य व पर्यावरण से संबंधित सभी मापदंडों को सफलातपूर्वक पूर्ण किया। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री नीरज मंडलोई व पॉवर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मनजीत सिंह ने श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना के समस्त अभियंताओं एवं कार्मिकों को इस अवार्ड के लिए चयनित होने पर हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी। श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना को यह अवार्ड 18 दिसंबर को भुवनेश्वर में आयोजित होने वाले समारोह में दिया जाएगा।

सबसे अधिक उत्पादन क्षमता वाला विद्युत गृह

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी की प्रदेश में सबसे बड़े ताप विद्युत गृह के रूप में श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना दोंगलिया (खंडवा) की पहचान है। इसकी वर्तमान उत्पादन क्षमता 2520 मेगावाट है। इस विद्युत गृह में 600 मेगावाट की दो और 660 मेगावाट की दो ताप विद्युत यूनिट हैं।

राष्ट्रपति ने छतरपुर के डॉ. संजय कुमार शर्मा को राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण पुरस्कार प्रदान किया

भोपाल। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार 3 दिसंबर को नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण पुरस्कार 2024 प्रदान किए। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने मध्यप्रदेश के छतरपुर के डॉ. संजय कुमार शर्मा को दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति श्रेणी में व्यक्तिगत उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरुस्कार-2024 से सम्मानित किया है।संजय कुमार शर्मा अनेक मानसिक विक्षिप्त दिव्यांगों सहारा देने का काम निरंतर करते आ रहे हैं।

डॉ. संजय कुमार शर्मा ने पिछले 34 वर्षों से भारत,विशेषकर बुंदेलखंड क्षेत्र में मानसिक रोगियों के पुनर्वास के लिए अपना जीवन समर्पित किया है वे अपने निजी प्रयास और धन से वे ऐसे रोगियों को बचाते आ रहे हैं ,और उन्हें समाज की मुख्यधारा में जोड़ते है । मानसिक स्वास्थ और नशा मुक्ति पर जागरूकता बढ़ाने में भी सक्रिय भूमिका निभाते हुए , डॉ. शर्मा का उद्देश्य समाज को संवेदना और सेवा के माध्यम से सशक्त बनाना है। डॉ. संजय कुमार शर्मा द्वारा किये जा रहे प्रशंसनीय कार्य के लिए उन्हें दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति श्रेणी में व्यक्तिगत उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय पुरुस्कार-2024 से सम्मानित किया गया है।

एम्स भोपाल में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के छात्रों का शैक्षणिक दौरा

भोपाल। एम्स भोपाल के फोरेंसिक मेडिसिन और टॉक्सिकोलॉजी विभाग ने 27 नवम्बर से 30 नवम्बर, 2024 तक राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए एक शैक्षणिक दौरे की मेजबानी की। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को चिकित्सा और मेडिको-लीगल संदर्भों में फोरेंसिक अनुप्रयोगों की समझ को बढ़ाना था, ताकि वे फोरेंसिक विज्ञान के व्यावहारिक पहलुओं को बेहतर तरीके से समझ सकें। यह शैक्षणिक दौरा एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के समर्थन और मार्गदर्शन से संभव हुआ, जिनके नेतृत्व ने इस महत्वपूर्ण पहल को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

इस दौरे के समापन पर दोनों संस्थानों ने भविष्य में संयुक्त कार्यशालाओं, शोध पहलों और शैक्षिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों के लिए सहयोग को बढ़ाने का संकल्प लिया। दोनों संस्थान एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की प्रक्रिया में हैं, ताकि भविष्य में शैक्षणिक और शोध गतिविधियों को और बढ़ावा दिया जा सके। प्रो. सिंह ने इस सहयोग के महत्व और भविष्य में शैक्षिक आदान-प्रदान पर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, यह पहल एम्स भोपाल और एनएफएसयू के बीच संबंधों को मजबूत करने की दिशा में

एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि छात्र न केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करें, बल्कि उन्हें व्यावहारिक अनुभव भी मिले, जिससे वे भविष्य में फोरेंसिक विज्ञान और मेडिको-लीगल प्रैक्टिस में आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकें। फोरेंसिक मेडिसिन और टॉक्सिकोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. अरनीत अरोड़ा ने कहा, ऐसे दौरे सिद्धांतात्मक ज्ञान और उसके व्यावहारिक अनुप्रयोग के बीच के अंतर को मिटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक प्रतिभागी ने कहा, इस दौरे ने हमें यह समझने में मदद की कि किस प्रकार फोरेंसिक चिकित्सा न्यायिक प्रक्रिया और सार्वजनिक स्वास्थ्य का पूरक है।

इस दौरे की शुरुआत फोरेंसिक मेडिसिन और टॉक्सिकोलॉजी विभाग के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. अतुल एस. केचे द्वारा औपचारिक स्वागत के साथ हुई, जिन्होंने विभाग की फोरेंसिक जांचों, मेडिको-लीगल शोध, स्वास्थ्य देखभाल और कानून प्रवर्तन में इसके योगदान के महत्व पर प्रकाश डाला। फोरेंसिक मेडिसिन और टॉक्सिकोलॉजी विभाग के सीनियर रेजिडेंट डॉ. दिव्या भूषण, साथ ही जूनियर रेजिडेंट डॉ. सुहैल, डॉ. शशिकांता, डॉ. अजीत, डॉ. दीक्षा, डॉ. अबर्णा, डॉ. कृष्ण गोपाल और श्री अरुण ने विभिन्न प्रदर्शनों के माध्यम से छात्रों को फोरेंसिक विज्ञान के चिकित्सा जांच में उपयोग को समझाया। छात्रों को पोस्टमॉर्टम प्रक्रियाओं, आघात विश्लेषण और विषविज्ञान मूल्यांकन में फोरेंसिक विज्ञान के एकीकरण से परिचित कराया गया। पोस्टमॉर्टम तकनीकों पर भी एक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें चोटों की पहचान और मृत्यु के कारण का विश्लेषण किया गया। छात्रों को विषविज्ञान विश्लेषण में उपयोग की जाने वाली आधुनिक तकनीकों, जैसे जैविक नमूनों में विष और दवाओं का पता लगाने की प्रक्रिया, और मेडिको-लीगल मामलों को हल करने में उनके महत्व के बारे में बताया गया। इस दौरे में एक इंटरएक्टिव चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें संकाय और छात्रों ने फोरेंसिक मेडिसिन में उभरते हुए रुझानों, उन्नत डायग्नोस्टिक उपकरणों की भूमिका, और जटिल कानूनी मामलों को हल करने के लिए अंतरविभागीय दृष्टिकोणों पर गहन विचार-विमर्श किया।

आरबीआई 90 क्विज़- जोनल राउंड सम्पन्न

इंदौर। भारतीय रिजर्व बैंक अपनी स्थापना के 90 वर्ष के परिचालन का उत्सव मना रहा है । इस उपलक्ष्य में बैंक द्वारा मनाए जाने वाले समारोहों की एक कड़ी के रूप में स्नातक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत छात्रों के लि आरबीआई 90 क्विज़ देश भर में आयोजित किया जा रहा है। इसी क्विज का चौथा जोनल राउंड इंदौर के होटल मैरियट में 3 दिसंबर, 2024 को आयोजित किया गया 7 इस जोनल राउंड में छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान के राज्य स्तरीय विजेताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। सशस्त्र सेना चिकित्सा महाविद्यालय , पुणे, महाराष्ट्र की विजेता टीम, जिसमें श्री प्रियांशु महर और श्री उदय तेज सिंह शामिल हैं, ने आगामी 6 दिसंबर, 2024 को मुंबई में आयोजित होने वाले आरबीआई 90 क्विज़ के राष्ट्रीय दौर में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया, जहाँ वे अन्य जोनल राउंड के विजेता टीमों के विरुद्ध खिताब हासिल करने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात और बिट्स पिलानी - केके बिरला, गोवा की टीमों ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। शीर्ष तीन टीमों ने क्रमशः 5 लाख, 4 लाख और 3 लाख के नक़द पुरस्कार जीते। इस अवसर पर भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री अजय कुमार ने वित्तीय साक्षरता के माध्यम से धन के निवेश के बारे में विवेकपूर्ण निर्णय लेने के लिए युवाओं को ज्ञान और कौशल विकसित करने और इस संबंध में दूसरों को भी शिक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आरबीआई कहता है शीर्षक वाले मल्टीमीडिया अभियानों के माध्यम से जनता के बीच वित्तीय जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा किए गए प्रयासों पर भी प्रकाश डाला।

रेलवे ट्रैक पर अवैध प्रवेश करने पर आरपीएफ द्वारा की गई कार्यवाई

भोपाल । रेलवे के संरक्षित परिचालन और यात्रियों की सुरक्षा हेतु रेलवे ट्रैक पर अवैध प्रवेश पर अंकुश लगाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल द्वारा प्रभावशील कदम उठाये जा रहे है। रेलवे ट्रैकों, यार्डों या अन्य सुविधाओं पर अवैध रूप से प्रवेश करना व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा उत्पन्न करता है और इसके परिणामस्वरूप गंभीर चोटें या मौतें हो सकती हैं। भोपाल मंडल रेल प्रशासन ने जनता से रेलवे ट्रैकों पर अनाधिकृत प्रवेश करने से बचने की अपील की है।

रेलवे परिसर में अवैध प्रवेश इस बात की आवश्यकता को उजागर किया है कि लोग इस मामले में अधिक जागरूक और सतर्क रहें। ट्रैक पर अवैध रूप से प्रवेश करना न केवल व्यक्तिगत जीवन को खतरे में डालता है, बल्कि यह रेल संचालन में रुकावट भी पैदा करता है, जिसके कारण देरी होती है और समग्र रेल नेटवर्क की सुरक्षा पर प्रभाव पड़ता है।

मुख्य बिंदु -

1) रेलवे ट्रैक और सुविधाएं सार्वजनिक उपयोग या मनोरंजन के लिए निर्धारित नहीं हैं।

2) अवैध प्रवेश करने वाले लोग ट्रेन से टकराने या अन्य खतरनाक स्थितियों का शिकार हो सकते हैं।

3) रेलवे ट्रैक पर अवैध प्रवेश करना कानूनन अपराध है और यह भारतीय रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 147 के तहत दंडनीय है।

भारतीय रेलवे अधिनियम की धारा 147 के तहत ट्रैक पर अवैध प्रवेश करने पर छह महीने तक की सजा, या एक हजार रुपये तक का जुर्माना, या दोनों सजा हो सकती है। 03 दिसम?बर वर्ष 2024 तक रेलवे अधिनियम की धारा 147 के तहत पश्चिम मध्य रेलवे आरपीएफ द्वारा कुल 4826 मामले दर्ज कर न?यायालय के माध?यम से 10 लाख 19 हज़ार 300 रूपये का जुमार्ना वसूल किया गया।

सुरक्षा उपाय -

1) रेलवे ट्रैकों और यार्डों से दूर रहें।

2) निर्धारित पैदल क्रॉसिंग का उपयोग करें और सुरक्षा संकेतों का पालन करें।

3) कोई संदिग्ध गतिविधि या अवैध प्रवेश की घटना होने पर आरपीएफ/जीआरपी को रिपोर्ट करें।

यात्रियों एवं जनता और रेल कर्मचारियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम सभी से आग्रह करते हैं कि वे रेलवे संचालन से जुड़े खतरों का सम्मान करें और जब तक स्पष्ट रूप से अनुमति न हो, रेलवे ट्रैकों से दूर रहें। हम मिलकर अनावश्यक जोखिमों को रोक सकते हैं और एक सुरक्षित रेल नेटवर्क सुनिश्चित कर सकते हैं।

गैस त्रासदी की बरसी पर सर्वधर्म सभा का आयोजन, बुजुर्ग गैस पीड़ितों का सम्मान

बीएमएचआरसी के 25वें वर्ष में प्रवेश करने पर डाक विभाग द्वारा विशेष आवरण जारी

भोपाल। भोपाल गैस त्रासदी की 40वीं बरसी पर मंगलवार को भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमएचआरसी) में सर्वधर्म सभा का आयोजन किया गया। बीएमएचआरसी के 25वें वर्ष में प्रवेश करने पर बुजुर्ग गैस पीड़ितों को सम्मानित किया गया और साथ ही डाक विभाग द्वारा एक विशेष आवरण जारी किया गया।

बीएमएचआरसी में सुबह 8ः30 बजे %श्रद्धांजलि एवं आशा' स्मारक के पास शुरू हुई सर्वधर्म सभा में सभी धर्मों के धर्मगुरुओं ने अपने–अपने धर्मग्रंथों का पाठ किया। इसके बाद 85 वर्ष अधिक उम्र के 20 गैस पीड़ित बुजुर्ग मरीजों का सम्मान किया गया। इन बुजुर्ग मरीजों में एक 108 वर्ष की गैस पीड़ित मथुरा बाई भी शामिल थीं। सभी मरीजों को शॉल, एक स्मति चिन्ह तथा कंबल भेंट किए गए। इसके अलावा मप्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से बीएमएचआरसी के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य शिविर लगाए गए। इन शिविरों में लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण, निशुल्क जांच एवं दवा वितरण, गैर संचारी रोगों की स्क्रीनिंग की गई। शिविरों में आभा तथा आयुष्मान आईडी बनाई गई। रोटरी क्लब एवं महावीर इंटरनैशनल नामक

संस्थाओं द्वारा गरीब मरीजों के लिए कंबल भी दान किए गए हैं, जिन्हें वार्डों में वितरित किया गया।

डाक विभाग द्वारा विशेष आवरण का अनावरण ? बीएमएचआरसी ने हाल ही में अपनी स्थापना के 25वें वर्ष में प्रवेश किया है। गैस त्रासदी की 40वीं बरसी पर संस्थान के इस योगदान को चिन्हित करने के लिए भारतीय डाक विभाग द्वारा एक विशेष आवरण जारी किया गया। डाक विभाग द्वारा जारी किया गया विशेष आवरण एक विशिष्ट डाक कवर होता है, जो किसी महत्वपूर्ण अवसर, घटना, व्यक्ति, स्थान, या किसी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक या वैज्ञानिक महत्व के विषय को समर्पित होता है। विशिष्ट विषयों पर जनता के बीच जागरूकता फैलाने के लिए भी इसे जारी किया जाता है। इसे खास डिजाइन और प्रतीकों के साथ तैयार किया जाता है, जो उस अवसर या विषय का प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व करते हैं। इस मौके पर मप्र सर्कल के मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल श्री विनीत माथुर, डाक सेवाओं के प्रमुख श्री पवन कुमार डालमिया एवं बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ मनीषा श्रीवास्तव मौजूद रहे।

आईसीएआर को कोशिश करना चाहिए

गुणवत्तापूर्ण बीज कम दामों पर कैसे किसानों को कैसे मिले: कृषि मंत्री शिवराज

भोपाल। श्री चौहान ने कहा कि कपास का बीज बहुत महंगा होता है। निजी कंपनियां किसानों को बीज बहुत महंगा देती हैं। आईसीएआर को कोशिश करनी चाहिए कि गुणवत्तापूर्ण बीज कम दामों पर कैसे किसानों को मिलें। किसान पर भी ध्यान दें ताकि उसे कपास की खेती से लाभ भी मिले, वह खेती से अपनी आजीविका ठीक से चला पाये।

श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हमें 2047 तक का लक्ष्य दिया है। हमें केंद्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सिरकॉट) का 2047 तक का रोड़मैप भी बनाना चाहिए। 2047 तक क्या-क्या करेंगे वह रोडमैप मूझे चाहिए। उस पर हम तेजी से काम करके कपास का उत्पादन करने वाले किसान, कपास में होने वाले डिलिंग, प्रोसेसिंग, बिनाई तक होने वाले काम कर सकें। केंद्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सिरकॉट) 2047 तक किसी भी कीमत पर सिरमौर पर होना चाहिए। उस पर आप सब भी विचार कीजिये। उन्होंने 100 वर्ष पूरे होने पर शुभकामनायें देते हुए कहा कि नई उमंग और उत्साह के साथ नया सफर तय करें जिससे किसान का भी कल्याण हो, उद्योग भी ठीक चले, वस्त्र भी अच्छे मिलें और सिरकॉट भी आगे बढ़े और भारत भी दुनिया का सिरमौर बन जाये।

जब शायद यही उदेश्य होगा कि कपास से अधिकत्तम लाभ कैसे कमायें। उस समय उनके अपने लक्ष्य व उद्देश्य होंगे लेकिन आज हमारा लक्ष्य है प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का निर्माण करना। वैभवशाली, सम्पन्न, समृद्व भारत का निर्माण किसान के बिना नहीं हो सकता है। आज भी कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है। मंत्री होने के नाते किसान की सेवा मेरे लिए भगवान की पूजा है। इस संस्थान के माध्यम से विभिन्न आयाम पूरे करने हैं।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने उन्होंने कहा कि इस संस्थान में अभी जो ज़रूरी है वह है कपास की चुड़ाई का मशीनीकरण, भारत में कपास की खेती की स्थिरता बढ़ाने के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है। केंद्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सिरकॉट) एकमात्र संस्थान है जो कि यांत्रिक रूप से चुनी गई कपास के प्रसंस्करण के लिए काम कर रहा है। यांत्रिक रूप से काटी गई कपास के प्रसंस्करण के लिए संयंत्र और मशीनरी को अनूकूलित करने की ज़रूरत है। इसके लिए संस्थान के 100 साल पूरे होने पर यहां पायलट संयत्र की सुविधा की व्यवस्था की जायेगी। कपास जिनोम का अंतरराष्ट्रीय केंद्र यह कैसे बने इसके लिए भी आवश्यक व्यवस्थायें की जायेंगी। कपास कॉटन में ट्रेसिबिलिटी सिस्टम विकसित करना बहुत ज़रूरी है। भारतीय कपास के निर्यात के लिए भी ट्रेसिबिलिटी की नई तकनीक विकसित करने के लिए सभी आवश्यक सुविधायें यहां विकसित की जायेंगी। उन्होंने कहा कि यह प्रयास किसान के लिए भी हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार किए जा रहे अत्याचार के विरोध में धार में विशाल धरना आज

उदय रंजन क्लब मैदान पर सर्व हिंदू समाज का विशाल एकत्रितकरण, हजारों हिंदू होंगे शामिल

धार। बांग्लादेश में सरकार के तख्तापलट के बाद से हिंदूओं पर अत्याचार की घटनाएं लगातार सामने आ रही है। हिंदू परिवारों पर अत्याचार कर मारपीट की जा रही है। साथ ही जबरन जेल में डालकर संपत्तियों पर कब्जा किया जा रहा है। हिंदू मंदिरों को निशाना बनाकर तोडफ़ोड़ की जा रही है। इन घटनाओं के विरोध करते हुए सर्व हिंदू समाज का एक विशाल एकत्रीकरण 4 दिसंबर को दोपहर 1 बजे उदय रंजन क्लब मैदान पर होने जा रहा है। यह विशाल धरना प्रदर्शन सर्व हिंदू समाज द्वारा बुलवाया गया है। इसमें सभी हिंदू संगठनों के साथ-साथ आम हिंदू समाज की भी सहभागिता रहेगी। इसके लिए पिछले तीन-चार दिनों से समाजजनों की अलग-अलग बैठकों का क्रम पूरा हुआ है। व्यापारी, युवा, मातृशक्ति, अभिभाषक, किसान हर वर्ग की धरने में सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए बैठकों का आयोजन किया गया। इस धरना प्रदर्शन को हर वर्ग ने समर्थन करते हुए अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने का संकल्प बैठकों में लिया है। साथ ही बांग्लादेश की हिंदू विरोधी सरकार को लेकर आक्रोश भी जताया है। 4 दिसंबर को होने वाले बंद के दौरान धरना देते हुए केंद्र सरकार से बांग्लादेश में हिंदूओं पर हो रहे हमले और अत्याचार की घटनाओं को रोकने के लिए हस्तक्षेप की मांग की जाएगी।

बंद रहेंगे शहर के प्रतिष्ठान- इस प्रदर्शन को लेकर सभी सनातनी बंधुओं को सभी कामकाज छोड़कर सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ इसमें शामिल होने के लिए कहा गया है ताकि बांग्लादेशी सनातनी हिंदूओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ बांग्लोदशी कट्टरपंथी सरकार को आईना दिखाया जा सके।

नक्सल गतिविधियों के नियंत्रण में जीरो टॉलरेंस की नीति का हो पालन: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने नक्सल गतिविधियों के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ की बैठक

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नक्सल गतिविधियों पर नियंत्रण के लिये जीरो टॉलरेन्स की नीति अपनाई जाये। उन्होंने नक्सल प्रभावी क्षेत्रों में गश्त बढ़ाते हुए मुखबिर व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 36वीं बटालियन, हॉक फोर्स सहित सभी स्पेशल फोर्स एक्टिव होकर जिम्मेदारी से कार्य करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को बालाघाट में नक्सल गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई को लेकर जन-प्रतिनिधियों, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक

की। उन्होंने आईजी श्री संजय सिंह एवं पुलिस अधीक्षक नागेंद्र कुमार द्वारा जिले में नक्सल गतिविधियों के उन्मूलन के उद्देश्य से तैयार की गई योजना के प्रेजेंटेशन का अवलोकन भी किया।

बैठक में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा एवं बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री श्री लखन पटेल, सांसद श्रीमती भारती पारधी, विधायक श्री गौरव पारधी, विधायक राजकुमार कर्रहे, विधायक श्री मधु भगत, विधायक श्री विक्की पटेल, पूर्व मंत्री श्री रामकिशोर कावरे, पूर्व मंत्री श्री प्रदीप जायसवाल, संभागायुक्त श्री अभय वर्मा, कलेक्टर श्री मृणाल मीना सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने मध्यप्रदेश के डॉ. शर्मा को राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण पुरस्कार से किया सम्मानित

भोपाल (नप्र)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को नई दिल्ली में छतरपुर जिले के डॉ. संजय कुमार शर्मा को दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण पुरस्कार से सम्मानित किया। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित समारोह में उन्हें 'दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति' की श्रेणी में उत्कृष्ट कार्यों के लिए यह पुरस्कार प्राप्त हुआ है। समारोह में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार भी उपस्थित थे। डॉ. शर्मा विगत 34 वर्षों से बुंदेलखंड क्षेत्र में मानसिक रोगियों के पुनर्वास के लिए कार्यरत हैं। अपने निजी प्रयासों और धन से वे मानसिक रोगियों को बचाने और समाज की मुख्य धारा में जोड़ने का काम कर रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य और नशा मुक्ति पर जागरूकता बढ़ाने में भी उनकी सक्रिय भूमिका रही है।

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने बालाघाट में आयोजित स्वदेशी मेले का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया एवं सभा को संबोधित किया।

जबलपुर में गधे लेकर यूनिवर्सिटी पहुंचे एनएसयूआई कार्यकर्ता

खिलाया च्यवनप्राश, कुलपति की नियुक्ति के विरोध में गेट पर किया प्रदर्शन

जबलपुर (नप्र)। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजेश वर्मा की नियुक्ति को लेकर मंगलवार को भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने प्रदर्शन किया। एनएसयूआई के सदस्य विश्वविद्यालय के मुख्य गेट पर दो गधे को लेकर पहुंचे। इस दौरान उन्हें माला पहनाई और च्यवनप्राश भी खिलाया। उनका कहना था कि कहावत है कि घोड़ों को नहीं मिल रही है घास और गधे खा रहे

हैं च्यवनप्राश। ठीक इसी तरह से रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में भी हालात बने हुए हैं। एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष सचिन रजक के साथ कार्यकर्ता रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के मुख्य गेट पहुंचे जहां पुलिस ने उन्हें रोक दिया गया।

कुलपति की फर्जी तरीके से नियुक्ति के आरोप- दअरसल, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजेश वर्मा की नियुक्ति को लेकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन काफी समय से प्रदर्शन कर रही है। उनका आरोप है कि कुलपति की नियुक्ति फर्जी तरीके से हुई है। कुछ दिनों पहले भी एनएसयूआई ने नकली नोट लेकर कुलपति के समक्ष पहुंची थी। इस दौरान भी विश्वविद्यालय प्रबंधन और एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं के बीच जमकर बहस हुई थी। इसके बाद एनएसयूआई ने दस्तावेजों के आधार पर उनकी नियुक्ति को फर्जी बताया था।

खेत में मृत अवस्था में मिले 8 मोर

शिकार के नहीं मिले साक्ष्य ; वन विभाग की टीम जांच में जुटी

देवास (नप्र)। शहर से 10 किलोमीटर दूर ग्राम दुर्गापुरा में एक खेत में मंगलवार सुबह 8 मोर मृत अवस्था में मिले। जिसकी सूचना खेत मालिक ने वन विभाग को दी। वन विभाग और पशु चिकित्सक व पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पंचनामा बनाकर मृत मोर को पीएम के लिए अपने साथ ले गई।

डीएफओ पीएन मिश्रा ने बताया कि जो 8 मोर मृत अवस्था में मिले हैं, उनकी मौत आज सुबह होना ही प्रतीत हो रही है। इन मोर में पांच मादा और तीन उनके बच्चे हैं, अभी प्रथम दृष्टया मौत के कारण की पुष्टि नहीं हो पा रही पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही खुलासा हो सकता है। खेत में करंट जैसा भी कुछ नहीं दिख रहा और ना ही कोई शिकार जैसी बात सामने आ रही है। पीएम के बाद मृत मोरों का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

शिकार के नहीं मिले साक्ष्य- डीएफओ पीएन मिश्रा ने बताया कि सूचना के बाद मौके पर वन विभाग की टीम पहुंची और मृत मोर के आसपास सर्चिंग भी की, लेकिन प्रारंभिक जांच में शिकार होने संबंधी कुछ भी साक्ष्य नहीं मिल है। जिस खेत में मोर मृत मिले वह टमाटर का खेत था। वन विभाग ने मोरों द्वारा कुछ रासायनिक पदार्थ खाने की आशंका जताई है। आसपास की सभी वस्तुओं के सैंपल लेकर राज्य स्तरीय लैब पहुंचाए जाएंगे। एसओपी के तहत पीएम के बाद शवदाह करने के बाद रिपोर्ट वन मुख्यालय भेजी जाएगी।

कंडम बसों में रैन बसेरे भी बनेंगे

भोपाल नगर निगम करेगा पहल ; ताकि ठंड से लोगों को बचाया जा सके

भोपाल (नप्र)। भोपाल में एक ऐसा इनोवेशन हो रहा है, जिसमें लोग बस में बैठकर ही बसों का इंतजार करेंगे। जल्द ही इस बस को स्टॉप पर रखा जाएगा। अब निगम ने इससे आगे एक कदम और बढ़ाया है। कंडम लो फ्लोर बस में रैन बसेरे भी बनाए जाने का प्लान है, ताकि कड़ाके की ठंड से लोगों को बचाया जा सके।

भोपाल में नवंबर में ही तेज ठंड का असर शुरू हो गया था। दिसंबर के शुरुआती दो दिन भी ठंडे रहे। रविवार-सोमवार की रात पारा 8.5 डिग्री पर पहुंच गया, जो पिछले साल से भी कम है।

आने वाले दिनों में ठंड का असर और बढ़ेगा। ऐसे में लोगों को राहत देने के लिए निगम कंडम बसों को रैन बसेरे के रूप में बदलने का प्लान तैयार कर रहा है। शाहजहांनी पार्क, बैरागढ़ समेत कई इलाकों में रैन बसेरे हैं, जहां ठंड में रुकने वाले लोगों की भीड़ बढ़ गई है। हाल ही में बैरागढ़ में एक और रैन बसेरे के लिए एमआईसी मेंबर राजेश हिंगोरानी ने मांग की थी। ऐसे में निगम कंडम बसों को रैन बसेरे के विकल्प के रूप में देख रहा है।

मुख्यमंत्री बालाघाट में स्वदेशी मेले में हुए शामिल

स्टार्ट-अप और वोकल-फॉर-लोकल के स्वदेशी भाव ने देश की अर्थव्यवस्था को किया इंग्लैंड से आगे: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वदेशी स्टार्ट-अप, मेक-इन-इंडिया और वोकल-फॉर-लोकल के प्रेरणादायक आह्वान ने देश में उद्यमिता के पुनर्जागरण की अलख जगाई है। भारत आज इंग्लैंड को पीछे छोड़कर दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को बालाघाट में स्वदेशी मेले को संबोधित कर रहे थे। डॉ. यादव ने मेले में शासकीय विभागों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। साथ ही युवाओं को ऑफर लेटर और दिव्यांगता प्रमाण-पत्र प्रदान किए और उपस्थित युवाओं से संवाद किया। स्वदेशी विचारक श्री भैया जी जोशी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने स्वदेशी मेले में आने के लिए श्री भैयाजी जोशी का आभार माना।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेला का अर्थ मेल-जोल है और इसमें व्यापार के साथ ही सांस्कृतिक मेलजोल को बढ़ावा देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी मेले का प्रारंभ वर्ष 1999 से निरंतर विभिन्न स्थानों पर किया जा रहा है। मुम्बई से प्रारंभ स्वदेशी मेले में स्वदेशी उत्पादों के प्रदर्शन और विक्रय से छोटे-बड़े उद्योगों को बल मिला है। यह केवल मेला ही नहीं स्वदेशी मेले के रूप में मिनी इंडिया का स्वरूप देखने को मिल रहा है। यहाँ अलग-अलग प्रांतों की लोककला और कारीगरी को एक स्थान और एक मंच पर देखने का अवसर मिलता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पहले हमारा देश सोने की चिड़िया हुआ करता था, हम दुनिया की शीर्षस्थ अर्थव्यवस्था थे और हमारे उद्योग, धंधे, मसाले, रेशम और मलमल जैसे चमत्कारी वस्त्र दुनिया भर में मशहूर थे। कहा जाता है कि ढाका का बना मलमल अंगूठी के छल्ले से निकल जाता था। अंग्रेजों ने हमारी इसी स्वदेशी ताकत को कमजोर बना दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री के प्रोत्साहन और प्रेरणा से देश के साथ ही प्रदेश के युवा ने भी नौकरी मांगने नहीं, देने वाले बनने के गंभीर और दूरदर्शी संदेश को समझा। आज हमारे यहां 37 हजार से भी अधिक स्वदेशी स्टार्ट-अप सक्रिय हैं। हमारा युवा उद्यमशील होकर नौकरी देने वाला बन रहा है।

प्रदेश में हुए 17 मेडिकल कॉलेज- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के अंतिम छोर के नागरिक के लिए भी अच्छे स्वास्थ्य और उसे चिकित्सा सुविधाएं सुलभ कराने के लिए प्रदेश सरकार संकल्पबद्ध है। प्रदेश में वर्ष 2003-04 में 5 मेडिकल कॉलेज थे, जिन्हें बढ़ाकर हमने 17 कर दिया है। इतना ही नहीं प्रदेश में निजी चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या भी 13 हो गई है। आने वाले वर्ष में 12 और सरकारी कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। साथ ही 13 नए आयुर्वेदिक कॉलेज भी खोले जाएंगे, इनमें से एक बालाघाट में भी होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वदेशी मेले की सराहना करते हुए कहा कि इसमें आयुर्वेदिक औषधियों को बिक्री के लिए प्रदर्शित किया जाना अच्छी पहल है।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से आगे बढ़ रही प्रदेश की अर्थव्यवस्था

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के कंसेप्ट को आगे बढ़ाने में हमें प्रधानमंत्री का प्रोत्साहन भी मिला है। हमारे प्रयास सफल रहे, हमने सागर, रीवा, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर जैसे शहरों में भी सफलतापूर्वक रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का सफल आयोजन किया और अब जल्द ही नर्मदापुरम में भी करने जा रहे हैं। नर्मदापुरम में इंडस्ट्री के लिए पूर्व में आरक्षित 250 हेक्टेयर भूमि को बढ़ाकर 500 हेक्टेयर कर दिया गया है। इसे हम 750 हेक्टेयर तक बढ़ायेंगे। इसमें नवकरणीय ऊर्जा पार्क और अन्य दूसरे उद्योगों की स्थापना के प्रस्ताव भी मिले हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि अब तक हुई रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से 2.5 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए और इनसे 2 लाख रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हम उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए पॉलिसी को इंडस्ट्री-फ्रेंडली बनाने के लिये हर स्तर पर जाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए हम उद्योगों को पारिश्रमिक के रूप में प्रति कर्मचारी 5 हजार रुपए की प्रारंभिक सहायता भी दे रहे हैं।

मेला हमारे जीवन का अभिन्न अंग

बालाघाट में आयोजित स्वदेशी मेले के शुभारंभ में स्वदेशी विचारक श्री भैयाजी जोशी ने कहा कि मेले हमारे जीवन के अभिन्न अंग हैं और इनमें स्वदेशी के समावेश से हम आर्थिक रूप से शक्तिशाली बन रहे हैं। श्री जोशी ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से भारत सभी क्षेत्रों में विश्व में अग्रणी बन रहा है। चिकित्सा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी हमने इतना विकास किया है कि आज विदेशी भी इलाज के लिये भारत आते हैं। स्वदेशी मेले में आयोजक पूर्व मंत्री श्री गौरीशंकर बिसेन, आयोजक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे। इसमें जनजातीय कलाकारों ने आकर्षक लोकनृत्य की प्रस्तुति दी।

एमपी में अस्पतालों को जांच-ट्रीटमेंट की रेट लिस्ट लगाना जरूरी

दर में बदलाव करने से पहले सीएमएचओ को बताना होगा ; सरकार का फैसला

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में अब प्राइवेट हॉस्पिटल्स और नर्सिंग होम्स को जांच, ट्रीटमेंट के खर्च की रेट लिस्ट लगाना होगी। राज्य सरकार ने मरीजों को लुटने से बचाने के लिए इसे जरूरी कर दिया है। सरकार ने तय किया है कि निजी अस्पताल या नर्सिंग होम्स को खर्च का ब्यौरा सार्वजनिक करना होगा। इनके मैनेजमेंट को बताना होगा कि उनके अस्पताल या नर्सिंग होम में किस जांच की कितनी फीस ली जाएगी।

सरकार ने यह भी साफ किया है कि अगर किसी अस्पताल को अपने यहां जांच-ट्रीटमेंट की रेट लिस्ट में बदलाव करना हो, तो इसके पहले मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) को इसकी जानकारी देना होगी।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा आयुक्त तरुण राठी ने प्रदेश के सभी निजी अस्पतालों को निर्देश दिए हैं कि अपने यहां की चिकित्सकीय सेवाओं की रेट लिस्ट काउंटर पर लगाएं। मरीज या उनके परिजन मांग करते हैं, तो रेट लिस्ट दिखाना भी अस्पताल प्रबंधन की जिम्मेदारी होगी।

मनमाना शुल्क लेना नियमों का उल्लंघन, इंस्पेक्शन करेंगे सीएमएचओ- 2 दिसंबर को जारी आदेश में स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा आयुक्त राठी ने कहा है कि अगर किसी अस्पताल को रेट लिस्ट में बदलाव करना है, तो इसकी लिखित सूचना मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को देना जरूरी है। संशोधित दर सूची को भी प्रमुखता से अस्पताल में लगाना होगा। आयुक्त ने कहा है कि इस तरह के निर्णय का उद्देश्य मरीजों के अधिकारों की रक्षा करना और स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता लाना है। रेट लिस्ट के अतिरिक्त शुल्क लेना नियमों का उल्लंघन है। मनमाना शुल्क वसूलने की घटनाओं को रोकने के लिए आयुक्त ने सीएमएचओ को लगातार निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं।

अस्पतालों में पालन कराएंगे सीएमएचओ- यह निर्देश मध्यप्रदेश उपचर्यागृह और रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं अधिनियम, 1973 और नियम, 1997 (यथासंशोधित 2021) के नियम 17 के अनुसार जारी किए गए हैं। सभी निजी चिकित्सालयों को यह तय करना होगा कि वे इन प्रावधानों का पालन करें। आयुक्त राठी ने सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को इसका पालन कराने के निर्देश दिए हैं।

भोपाल में एएसआई ने किया पत्नी-साली का मर्डर

घर में घुसकर चाकू से गोदा, फिर भाग निकला, पुलिस बोली- पारिवारिक विवाद चल रहा था

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ऐशबाग इलाके में एएसआई ने पत्नी और साली की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। वह घर के काम करने आई मेड को धक्का देकर अंदर घुसा और दोनों पर वार किए। फिर मौके से फरार हो गया। घरेलू काम करने वाली बाई ने पुलिस को सूचना दी।

आरोपी के घर से निकलकर जाते हुए सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। मौके पर एफएसएल टीम के साथ पुलिस के खिफर डॉग भी पहुंचे हैं।

डीसीपी जोन-1 प्रियंका शुक्ला ने बताया कि विनीता मरावी अपनी बहन मेघा उइके के साथ किराए के फ्लैट में रहती थी। विनीता का अपने पति योगेश मरावी से पिछले पांच-छह साल से विवाद चल रहा था। योगेश मंडला जिले में एएसआई के पद पर है। दोनों महिलाओं की उम्र 30 और 35 साल है। पुलिस टीम योगेश मरावी की तलाश में जुटी है।

मेड को धक्का देकर अंदर घुसा- पुलिस ने बताया कि सुबह करीब 11 बजे योगेश की पत्नी विनीता ने मेड के लिए दरवाजा खोला। इसी दौरान बाहर मौजूद योगेश, बाई को धक्का देकर अंदर घुस गया। उसने दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और चाकू से ताबड़तोड़ पत्नी-साली पर वार किए। यह देखकर मेड वहां से भागी और पड़ोसियों को जानकारी दी। फिर डायल हंड्रेड पर फोन लगाया।

बचाओ-बचाओ की आवाजें आती रहीं- पुलिस ने बताया कि थैले में हथियार लेकर जाते हुए एएसआई की तस्वीरें

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद वह घर का दरवाजा बाहर से बंदकर फरार हो गया। मेड को 6-7 मिनट तक बचाओ-बचाओ की आवाजें आती रहीं। विनीता के शरीर पर चाकू के आधा दर्जन से ज्यादा घाव मिले हैं।

मेघा ने फेसबुक पर खुद को असिस्टेंट डायरेक्टर बताया- मृतक मेघा उइके ने अपनी फेसबुक प्रोफाइल पर खुद को असिस्टेंट डायरेक्टर बताया है। मेघा की पढ़ाई एमएच कॉलेज जबलपुर से हुई थी। वह बैहर की रहने वाली थी

ग्वालियर में डॉक्टर को 29 घंटे डिजिटल अरेस्ट रखा

पत्नी-बेटे की मौत से बनाया इमोशनल प्रेशर, मनी लॉन्ड्रिंग का डर दिखा 21 लाख ठगे

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में सोमवार को एक आयुर्वेदिक डॉक्टर को ठगों ने 29 घंटे 17 मिनट डिजिटल अरेस्ट कर 21 लाख रुपए ठग लिए। ठगों ने डॉक्टर को 29 नवंबर सुबह 10.13 बजे से 30 नवंबर शाम 3.30 तक डिजिटल अरेस्ट रखा था। डॉक्टर के परिवार की जानकारी और उनके आधार कार्ड की डिटेल मांगने के दौरान ठगों ने कई जानकारी निकाली। उन्हें पता चला कि कोविड काल में डॉक्टर मुकेश कुमार शुक्ला के पूरे परिवार को कोरोना हो गया था। जिसमें उन्होंने अपने जवान बेटे मितुल शुक्ला और पत्नी मीनू शुक्ला को खो दिया था। यह बात पता चलने के बाद सीबीआई ऑफिसर बनकर बात कर रहे ठग ने दुख जताया और फिर डॉक्टर पर इमोशनल प्रेशर बनाया। ठग कहने लगा कि आप परेशान हैं इसलिए हम आपको गिरफ्तार नहीं कर रहे हैं और आपकी पूरी मदद करेंगे।

यह था मामला- शहर के गोला का मंदिर स्थित हनुमान नगर निवासी 63 वर्षीय मुकेश पुत्र केके शुक्ला आयुर्वेदिक डॉक्टर हैं। वह घर पर ही प्रैक्टिस करते हैं। 29 नवंबर की सुबह 10.13 बजे उनके मोबाइल पर एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने उनसे बातचीत करते हुए बताया कि वह इनकम टैक्स से बोल रह है और उनके नाम पर

चल रही महालक्ष्मी ट्रांसपोर्ट कंपनी पर 9 लाख 40 हजार 44 रुपए की रिकवरी निकली है। जब उन्होंने महालक्ष्मी ट्रांसपोर्ट कंपनी उनकी नहीं होने की बात कही तो कॉल करने वाले ने बताया कि कंपनी तो आपके आधार नंबर पर ही बनी है। इस पर कॉल करने वाले ने कहा कि लगता है कि आपका आधार कार्ड का गलत उपयोग किया गया है। इसके बाद उसने पुलिस मुख्यालय दिल्ली में दो घंटे में शिकायत करने के लिए कहा। ऐसा नहीं करने पर उनकी गिरफ्तारी की बात कही। इस पर बुजुर्ग डॉक्टर घबरा गया। डॉक्टर ने कहा कि वह ग्वालियर में हूं और दो घंटे में दिल्ली कैसे पहुंच सकता हूं। इस पर कॉल करने वाले ने दिल्ली पुलिस में ऑनलाइन एफआईआर में मदद करने का वादा किया।

कॉल करते ही आरोपी ने मनी लॉन्ड्रिंग का जाल बिछाया- इसके बाद डॉक्टर को कॉल करने वाले ने दिल्ली पुलिस मुख्यालय में पदस्थ सब इंस्पेक्टर अजय शर्मा का मोबाइल नंबर दिया और कहा कि आप इनको कॉल कीजिए। मैं भी उनको आपकी मदद के लिए बोलता हूं। जब उन्होंने अजय शर्मा से कॉल लगाकर बातचीत की तो अजय शर्मा ने उनके दस्तावेज मांगे और बताया कि उनके आधार कार्ड पर मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज है। कुछ दिन पहले मनीष चौधरी के यहां पर सीबीआई (सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन) की रेड हुई थी। वहां आपका यह आधार कार्ड मिला था। जिस पर करोड़ों रुपए का लेनदेन हुआ है। इसके बाद अजय ने डॉक्टर का फोटो लगा गोल्डन कार्ड दिखाया। साथ ही गिरफ्तारी वारंट भी दिखाया। जिसे देखने के बाद उनके पैरों तले जमीन निकल गई, क्योंकि कार्ड पर उनका नाम और फोटो लगा हुआ था। ठगों ने अगले दिन डॉक्टर से 21 लाख रुपए अकाउंट में आरटीजीएस करा लिए।

डॉक्टर बोले- डरा दिया था किसी से जिक्र तक नहीं कर सका

डॉक्टर मुकेश कुमार शुक्ला का कहना है कि ठगी करने वाले अपने शिकार के दिमाग से खेलते हैं। ठगों ने उनको जमकर डराया। कहा कि किसी से इस बात का जिक्र करने पर पूरे परिवार को 10 मिनट में ग्वालियर पुलिस से अरेस्ट करा देंगे। साथ ही बदनामी भी होगी। इसी कारण डॉक्टर शुक्ला अपनी दूसरी पत्नी को भी कुछ नहीं बता पा रहे थे। पत्नी को उन्होंने एहसास भी नहीं होने दिया कि वह किस मुसीबत से गुजर रहे हैं। वह मन में सोच रहे थे कि वह परिवार को बचा रहे हैं, जबकि वह ठगी के शिकार हो रहे थे।

पत्नी-बेटे को खोने की बात बताते हुए भावुक हो गया फरियादी

डॉक्टर मुकेश कुमार शुक्ला से जब उनके पत्नी और बेटे के कोविड में जान गंवाने के सवाल पर ठगों का क्या रवैया था यह पूछा गया तो कुछ कहने से पहले ही वह भावुक हो गए थे। उनका कहना है कि मैं सामने आकर इसलिए सारी बात बता रहा हूं जिससे मेरी तरह और कोई इन ठगों के शिकार न हों। मेरे जीवन भर की जमा पूंजी को ठगों ने मुझे डराकर ठग लिया है। इस मामले में टीआई क्राइम ब्रांच अजय पवार ने बताया कि-डिजिटल अरेस्ट के मामले में अब पुलिस पता लगा रही है कि 21 लाख रुपए जिस अकाउंट में गया वह किसके नाम पर है। वहां से कैश कितने बैंक अकाउंट में ट्रांसफर किया गया है।